घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 128- बुधवार 11- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

सेना की बड़ी कामयाबी

सीमा पर फिर नापाक साजिश नाकाम,एक आतंकी ढेर...

जम्मू-कश्मीर,10 मार्च 2026। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे नौशेरा के झांगर इलाके में एलओसी के पास दो आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में ऑपरेशन शुरू किया। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया, जिससे एलओसी पर किसी भी तरह की घुसपैठ को सफल होने से रोक दिया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और दूसरे आतंकी की तलाश की जा रही है। सेना ने पूरे सेक्टर में निगरानी बढ़ा दी है और जमीनी तथा हवाई निगरानी के जरिए इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

केंद्र सरकार के निर्देश पर देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन 10 फीसदी बढ़ाया...

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस (एलपीजी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन करीब 10 फीसदी बढ़ा दिया है। सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते एलएनजी आपूर्ति में आई बाधा के बीच एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देश की तेल रिफाइनरियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए थे। उत्पादन बढ़ाने के बाद सभी रिफाइनरियां 100 फीसदी क्षमता पर काम कर रही हैं। एलपीजी की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद उत्पादन बढ़ाने के इस कदम से संभावित आपूर्ति बाधित होने को लेकर उठ रही चिंताओं को कम करने में मदद मिली है। सरकार ने घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग और अनियमितताओं को रोकने के लिए नए गैस सिलिंडर की बुकिंग के बीच प्रतीक्षा की अवधि भी 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों की हरसंभव सहायता करेगी सरकार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को मदद देने के लिए सरकार बीमा समर्थन जैसी नई योजनाएं शुरू करने की संभावना तलाश रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्यातकों को सहायता के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आहार अंतरराष्ट्रीय भोजन और आतिथ्य मेला के 40वें संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खाद्य और कृषि उत्पादों, जिनमें कृषि उपज और मत्स्य पालन शामिल हैं, उसका निर्यात सालाना लगभग 5 लाख करोड़ रुपये (55 अरब डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है, जिससे देश विश्व में कृषि उपज का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि हम निर्यातकों की मदद के लिए बीमा समर्थन जैसी कुछ नई योजनाएं विकसित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

लोकसभा में स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

50 विपक्षी सांसदों ने पक्ष में वोट किया,गोगोई बोले...सदन में राहुल को बोलने नहीं दिया

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने 20 बार राहुल गांधी को रोक-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया और कहा कि जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही हो,तब स्पीकर को कार्यवाही की अध्यक्षता करने का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि अभी तक डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया है और जो व्यक्ति चेयर पर बैठे हैं,वे भी स्पीकर की मंजूरी से ही आए हैं,इसलिए वे इस प्रस्ताव पर कार्यवाही नहीं चला सकते। उन्होंने मांग की कि बहस शुरू करने से पहले सदन की सहमति से तय किया जाए कि कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। केसी वेणुगोपाल ने सरकार पर डिप्टी स्पीकर नियुक्त न करने को लेकर हमला बोला और कहा कि बहस शुरू होने से पहले सदन की सहमति ली जानी चाहिए। इसके बाद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि चेयर पर बैठे व्यक्ति को कार्यवाही चलाने का पूरा अधिकार है। आखिर में चेयर पर बैठे जगदंबिका पाल ने कहा कि स्पीकर का पद खाली नहीं है, इसलिए उन्हें कार्यवाही चलाने का अधिकार है। कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाने की कोशिश की।

प्रियंका ने कहा...राहुल की सच्चाई इनसे पचती ही नहीं है...

प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

किरेन रिजिजू ने कहा...हमें गर्व है कि स्पीकर ओम बिरला हैं...

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कुछ लोग खुद को संविधान के ऊपर समझते हैं। खुद को ज्यादा ज्ञानी समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि मुझे इस सदन में बोलने नहीं दिया जाता। कांग्रेस में कई सीनियर लीडर हैं। उन्होंने राहुल को क्यों नहीं समझाया है। सदन में बोलने के लिए स्पीकर की परमिशन की जरूरत है। उसके बिना नहीं बोल सकते हैं। आप अपने आपको स्पीकर से बड़ा समझेंगे तो ये गलत है। हमें गर्व है कि हम उस लोकसभा के सदस्य हैं, जिसके स्पीकर ओम बिरला हैं। 64 देशों का फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया है, इसकी अध्यक्षा ओम बिरला कर रहे हैं। पीएम मोदी का मार्गदर्शन है। विपक्ष ने निजी टिप्पणी की है। 18वीं लोकसभा में 93% से ज्यादा प्रोडक्टिविटी है। 321 सवाल पूछने का मौका सत्ता पक्ष को दिए हैं। 362 सवाल पूछने का मौका विपक्ष को दिया है स्पीकर सर ने।

मोइत्रा ने कहा- बिरला ने विपक्षी सांसदों का सबसे बड़ा सस्पेंशन किया था...

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि दिसंबर 2023 में स्पीकर ओम बिरला ने भारतीय पार्लियामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सस्पेंशन दिया, जिसमें विपक्ष के 100 सांसदों को सस्पेंड किया गया था। ये 2004 से हुए सस्पेंशन का 40% था। पिछले 20 साल में इस एक दिन में सदन के 40% सांसद सस्पेंड किए गए थे। ऐसा क्यों किया गया था क्योंकि संसद में घुसपैठ पर विपक्ष सरकार से जबाव मांग रहा था। क्या ये जरूरी मुद्दा नहीं था।

कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया

बिहार के किशनगंज से कांग्रेस के सांसद डॉक्टर मोहम्मद जावेद ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। मोहम्मद जावेद की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद सदन की कार्यवाही कौन संभालेगा। सौगत राय, असदुद्दीन ओवैसी और वेणुगोपाल राय ने इस पर रूल्स ऑफ प्रोजिसर के नियम बताए।

गोगोई ने बिरला पर भेदभाव के 3 आरोप लगाए

- 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे,तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा।
- 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे,तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए...लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।
- आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद,गैस नहीं मिल रही

होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत,आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते होने वाली गैस सप्लाई ठप होने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है। गैस किल्लत को देखते हुए दिल्ली मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र,उत्तर प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स और होटलों के बंद होने की नौबत आ गई है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से कहा है कि सप्लाई बहाल की जाए।

कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी

- **पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई):** इसमें आपके घर की रसोई गैस और गाड़ियों में डलने वाली सीएनजी आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।
- **दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने):** खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।
- **तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग):** नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।
- **चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल):** शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा...स्वतंत्र,निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता : मुख्य चुनाव आयुक्त

कोलकाता,10 मार्च 2026। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो। आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें। कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

विरोध के बावजूद सीईसी की मीटिंग : सीईसी कुमार ने विरोध के बावजूद, कुमार राज्य में अपने तय प्रोग्राम में शामिल होते रहे। इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ,राज्य में चुनाव से जुड़े इंतजामों का आकलन करने के लिए पश्चिम बंगाल की चीफ सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती,डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस पीयूष पांडे और दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ मीटिंग की। चुनाव आयुक्त ने हावड़ा जिले के बेलूर मठ का भी दौरा किया और कहा कि पोल पैनल पश्चिम बंगाल में हिंसा-मुक्त चुनाव के लिए कमिटेड है। उन्होंने कहा कि आयोग यह पक्का करने की कोशिश करेगा कि वोटर त्योहार के माहौल में अपने वोट का इस्तेमाल कर सकें। चुनाव बिना हिंसा या डर-धमकी के हों।

विपक्षी दल ज्ञानेश कुमार को हटाने की तैयारी में : विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग वाला प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस देने की तैयारी कर रहे हैं। यदि संसद में यह लाया जाता है, तो किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ पहला प्रस्ताव होगा।

नोटिस का मसौदा इसी हफ्ते संसद में पेश किया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने बताया कि कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के अन्य दल नोटिस का समर्थन करेंगे। प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एसआईआर के मुद्दे पर वोटर्स के नाम काटे जाने के मुद्दे पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव लाने की बात कही थी।

चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो : ज्ञानेश कुमार

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- 'चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो' (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)। इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन सीईसी को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

कैबिनेट : चीन समेत पड़ोसी देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील,जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

कैबिनेट ने 8.8 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी दी हरी झंडी : देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है। इन फैसलों में रेलवे, हाईवे, एविएशन और ग्रामीण जल आपूर्ति जैसे प्रमुख सेक्टर्स शामिल हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी

कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केन्द्र सरकार ने उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले 3,839 करोड़ रुपये के 4-लेन कॉरिडोर को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बदनवार-पेटलावाड़-थंदला-तिमारवानी खंड (एनएच-752डी) के 4-लेन निर्माण को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर तैयार किया जाएगा।

कैबिनेट : जेवर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी निर्माण की पूंजी लागत में संशोधन

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। केन्द्र सरकार ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण की कुल पूंजी लागत में संशोधन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज की बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के दिल्ली-फरीदाबाद-बल्लभगढ़-सोहना शाखा से जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण के लिए 3630.77 करोड़ रुपये की संशोधित कुल लागत को मंजूरी दी। मंत्री के अनुसार 31.42 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम से हवाई अड्डे तक सीधी और उच्च गति कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह मार्ग पूर्वी परिधीय एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे और समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर से होकर गुजरता है।

राज्यसभा चुनाव : 37 में से 26 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

रामदास आठवले,शरद पवार और अभिषेक मनु सिंघवी भी शामिल

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। दस राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे चुनाव में सात राज्यों के 26 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इनमें एनसीपी (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले जैसे प्रमुख राजनीतिक चेहरे शामिल हैं। कई राज्यों में विपक्षी दलों द्वारा उम्मीदवार नहीं उतारे जाने के कारण इन नेताओं का निर्विरोध चयन संभव हुआ। चुनावी गणित और राजनीतिक समीकरणों के चलते इन सीटों पर मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी और उम्मीदवारों को सीधे ही राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित कर दिया गया। हालांकि सभी सीटों पर स्थिति एक जैसी नहीं है। बिहार, ओडिशा और हरियाणा की कुल 11 सीटों पर मुकाबला होना तय है। इन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवारों के मैदान में उतरने के कारण चुनाव कराया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कुछ राज्यों में सत्तारूढ़ दलों की मजबूत स्थिति और विपक्ष की रणनीति के कारण कई सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन संभव हुआ है। शेष सीटों पर होने वाला मतदान राज्यसभा के नए सदस्यों की अंतिम तस्वीर तय करेगा।

यूसीसी लागू करने का समय आ गया,संसद फैसला करे : सुप्रीम कोर्ट

शरियत कानून की धाराएं रद्द करने से कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है...

नई दिल्ली,10 मार्च 2026। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है। कोर्ट मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप लगाकर शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन तीन जजों की बेंच ने कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा गंभीर है, लेकिन इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अगर शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुधार की जल्दी में ऐसा न हो कि जिन लोगों के अधिकारों की बात हो रही है, उन्हें ही नुकसान हो जाए।

कोर्ट लागू करने की बात कई बार कह चुका : जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कह चुका है। कई नियम सभी समुदायों पर एक जैसे लागू नहीं हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट सीधे ऐसे मामलों को असंवैधानिक घोषित कर दे। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कोर्ट यह घोषित कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर संपत्ति में अधिकार मिलना चाहिए। उनका सुझाव था कि अगर शरियत कानून की धाराएं रद्द होती हैं तो ऐसे मामलों में भारतीय उत्तराधिकार कानून लागू किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही है, लेकिन इसे लागू करने का फैसला संसद को लेना होगा।

संपादकीय

टी-20 में बादशाहत

एक बार फिर भारत ने क्रिकेट के सबसे छोटे स्वरूप टी-20 में अपनी सर्वोच्चता साबित की है। हालांकि,भारत के हर क्षेत्र में शानदार खेल ने दर्शकों को फाइनल मुकाबले के रोमांच से वंचित किया,लेकिन भारतीय टीम ने हर क्षेत्र में बेजोड़ श्रेष्ठता प्रदर्शित की। भारतीय टीम निर्भीकता से खेली। मुख्य कोच गौतम गंभीर का अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को अनियमित फॉर्म के बावजूद महत्वपूर्ण फाइनल के लिये टीम में बरकरार रखना सही साबित हुआ। संजू सैमसन ने तीन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में निर्णायक पारी खेली। वहीं चतुर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपनी गेंदबाजी का जादू बिखेरा। हार्दिक पांड्या,अक्षर पटेल,ईशान किशन,शिवम दुबे ने महत्वपूर्ण अवसरों पर योगदान दिया। यह अच्छी बात है कि सुपर आठ के एक मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार को भारतीय टीम ने एक सबक के तौर पर लिया। जिससे टीम को जीत की लय में वापस आने में सहायता मिली। यह सुखद ही है कि दो साल से भी कम समय में भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप के दो खिताब हासिल किए। निस्संदेह,इस उल्लेखनीय उपलब्धि में इंडियन प्रीमियर लीग में टी-20 मैचों का लगातार अभ्यास जीत की लय बनाये रखने में मददगार साबित हुआ। क्रिकेट के दीवाने इस देश में प्रीमियर लीग ने क्रिकेट प्रतिभाओं को अपने खेल में निखार लाने का एक बेहतर अवसर उपलब्ध कराया। यह शानदार जीत,भारत द्वारा वनडे चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के ठीक एक साल बाद मिली है। लेकिन एक अंतर्विरोध यह भी है कि सफेद गेंद के क्रिकेट और व्यावसायिक खेल के इस मिश्रण ने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कमजोरी को उजागर किया है। जिसका उदाहरण घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार है,जो हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह एक हकीकत है कि जब तक भारत टैस्ट मैचों में अपनी स्थिति मजबूत नहीं करता,तब तक भारत का वैश्विक क्रिकेट में पूरी तरह वर्चस्व हासिल करना संभव न होगा। कमोबेश, महिला टीम के मामले में भी यही बात लागू होती है,जिसने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीता। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में इस टीम की पकड़ भी ढीली हुई है। वास्तव में दोनों टीमों को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में संतुलित कामयाबी के साथ ही आगे बढ़ना होगा। इस हकीकत को जानते हुए कि खेल जगत के परिप्रेक्ष्य में क्रिकेट का दबदबा हमेशा बना रहना है,अब चाहे टीमें अच्छा खेलें या कमजोर।

भारत में उपलब्ध क्रिकेट के समृद्ध संसाधनों और लगातार सामने आती नई प्रतिभाओं के चलते आईसीसी की तमाम प्रतियोगिताओं में भारतीय दबदबा आने वाले वर्षों में भी बना रह सकता है। इस टी-20 विश्वकप में भारतीय जीत को इसी नजरिये से देखने की जरूरत है। लेकिन जरूरत इस बात की होगी कि व्हाइट बॉल के साथ भारतीय टीम रेड बॉल क्रिकेट में अपना वर्चस्व बनाये रखे। टीम वनडे और टी-20 के साथ टेस्ट क्रिकेट में भी तमाम परिस्थितियों के बावजूद जीत का जज्बा बनाये रखे। इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन द्वारा दिखाया गया खेल भारतीय टीम के लिये निर्णायक साबित हो सकता है। जिन्होंने तीन महत्वपूर्ण मैचों में अस्सी से अधिक रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभायी है। लंबे समय तक उपेक्षित रहने के बावजूद जब उन्हें परिस्थितिवश खेलने का मौका मिला तो उन्होंने अवसर का भरपूर लाभ उठाकर खुद को साबित किया। वे सिर्फ पांच मैच खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सबसे शानदार खिलाड़ी का खिताब हासिल करने में कामयाब हुए। इसी तरह टूर्नामेंट में किफायती रन रेट के साथ निर्णायक विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह की उपलब्धियां भी कम नहीं रहीं। विपक्षी टीम के खिलाड़ियों पर वे मनौवैज्ञानिक दबाव बनाने में भी कामयाब रहे। वे मैच की दिशा बदलने वाले गेंदबाज भी साबित हुए। निर्णायक फाइनल मैच में तीन विकेट लेने वाले अक्षर पटेल के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता।

गाँव-गंवाई हे मोर सरग द्वारी

अशोक पटेल 'आशु'
तुम्मा, शिवरीनारायण (छ ग)

गाँव-गंवाई हे मोर सरग द्वारी
इहाँ हावय पुरखा के चिन्हारी
कोठार-बियारा हे खेती-खारी
हरियर-हरियर हे बखरी-बारी।

धरती दाई हे मोर खेती-खारी
इही धरती पुरखा के महतारी
इही मा उपजत हे अन्नकुमारी
जनजन के इही ह पालनहारी।

ए धरती हे जनम के संगवारी
ए कर से ही होथे पूछ-पूछारी
एकरेच महिमा हे अबड़ भारी
इही हर करथे तन के उद्धारी।

धरती के कोरा हर हावे न्यारी
जनजन के बने हावे उपकारी
तहीं हर सुहागन परम पियारी
तोर दमके हावे
सोला-सिंगारी।

सुख-दुख के तहीं हर संगवारी
तहीं हर दाई ओ तहीं महतारी
तोर अंचरा हवे फुल-फुलवारी
तहीं बने दाई सुख
के आधारी।

राष्ट्रपति का अनादर...पश्चिम बंगाल सरकार पर उठे सवाल

किसी की भी अनदेखी-उपेक्षा उसका अनादर ही होता है। पश्चिम बंगाल के दौरे पर गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ऐसा ही हुआ। चूंकि उन्होंने इसे लेकर अपनी आपत्ति और पीड़ा प्रकट की, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वास्तव में उनके लिए निर्धारित प्रोटोकाल का उल्लंघन किया गया। यह इससे सिद्ध भी होता है कि उनके कार्यक्रम स्थल में बार-बार बदलाव किया गया और अंततः उसका आयोजन ऐसी जगह किया गया,जहां लोगों को पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। इससे भी खराब बात यह रही कि बदले हुए आयोजन स्थल पर जा रहे लोगों को इस आधार पर प्रवेश करने से रोका गया कि उनके पास आवश्यक निमंत्रण पत्र नहीं हैं, लेकिन वे तो वितरित ही नहीं किए गए थे। स्पष्ट है कि बंगाल सरकार में कोई यह चाहता था कि राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम सफल न होने पाए। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि आदिवासियों के जिस कार्यक्रम में आदिवासी समाज की राष्ट्रपति को सम्मिलित होना था, उसमें बाधाएं खड़ी की गईं। उनकी किस हद तक अनदेखी की गई, इसका एक प्रमाण यह भी है कि आयोजन स्थल पर उनके लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे कि शौचालय आदि की व्यवस्था तक नहीं की गई। राष्ट्रपति जिस तरह पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर गईं,उससे उन्होंने बंगाल प्रशासन की पोल ही खोली,क्योंकि उन्होंने पाया कि वहां पर कहीं अधिक लोगों के एकत्रित होने के लिए पर्याप्त स्थान था। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनका प्रशासन यह समझता कि राष्ट्रपति के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ,लेकिन वे राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा करने में लग गईं। उन्होंने उन पर यह आरोप भी जड़ दिया कि वे भाजपा के इशारे पर राजनीति कर रही हैं। आखिर आदिवासियों के सम्मेलन में आदिवासी समाज की ही राष्ट्रपति का जाना दलगत राजनीति का विषय कैसे हो गया?

नो स्मोकिंग डे : निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है,जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है...

योगेश कुमार गोयल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग,फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग,स्ट्रोक,दमा,ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह,गले,पेट,लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं। जैसे खैनी,गुटखा,पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है। धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद,चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं।

पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी,जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है। बहरहाल,नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार,एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा वर्ष 1993 में नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

हवा में कैद सांसें,प्रदूषण महामारी से ज्यादा हानिकारक

भविष्य में होगा साँस लेना होगा दूभर

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

पर्यावरण प्रदूषण का चौतरफा प्रहार आज मानव सभ्यता के अस्तित्व को चुनौती दे रहा है। प्रकृति के सुगठित संतुलन में जब अपशिष्ट तत्व अनियंत्रित रूप से मिलते हैं,तब वातावरण प्रदूषित होकर जीवन के लिए विष बन जाता है। प्रदूषण के कई आयाम हैं वायु,जल,भूमि,ध्वनि किन्तु वायु प्रदूषण इन सभी में सर्वाधिक घातक और संहारक सिद्ध हुआ है। यह मानव जीवन की सबसे मूलभूत आवश्यकता 'साँस' को ही संकटग्रस्त कर रहा है। आकाश में तैरते सूक्ष्म प्रदूषण-कण,उद्योगों से निकलती जहरीली गैसें,वाहनों की धुएँ की लकीरें और मशीनों की निरंतर तपन इन सबने मिलकर हवा को एक अदृश्य हथियार बना दिया है,जो हर क्षण हमारे फेफड़ों को चीरने का काम कर रहा है। अब स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी एक दुर्लभ सौभाग्य लगने लगा है।वायु प्रदूषण केवल आँकड़ों का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का संकट है। विश्व-स्तर पर हुए वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि भारत में प्रदूषित वायु के कारण जीवन प्रत्याशा सामान्यतः 10 से 15 वर्ष तक घट सकती है। हमारा देश विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में गिना जा रहा है,जहाँ लगभग 40% जनसंख्या विषाक्त वायु की गिरफ्त में है। महानगर तो जैसे धुएँ की क़ैद बन चुके हैं–दिल्ली,मुंबई,कोलकाता,चेन्नई,लखनऊ,कानपुर, वाराणसी,रायपुर,इंदौर और अनेक औद्योगिक नगर प्रदूषण के शिखर पर हैं,जहाँ बचपन,बुढ़ापा और रोगग्रस्त शरीर मृत्यु के सबसे बड़े जोखिम पर खड़े हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियाँ रोज़गार,शिक्षा और सामान्य पारिवारिक जीवन की गति को बाधित कर रही हैं। स्मॉग की मोटी चादर अब सुबह की ओस या शाम की धूप से अधिक दिखाई देने लगी है। सूर्य भी धुएँ की कोहरे में अपनी किरणों को खो बैठा है।

कोविड-19 महामारी के दौरान स्थिति और भी भयावह रूप में सामने आई। फेफड़ों की शक्ति कमज़ोर कर चुकी प्रदूषित हवा ने वायरस के प्रहार को और घातक बना दिया। जिन लोगों के फेफड़े प्रदूषण से पहले ही क्षतिग्रस्त थे,वे महामारी की चपेट में अधिक संख्या में जाने लगे। यह तथ्य एक भयानक चेतावनी की तरह है–भविष्य में किसी भी महामारी का सबसे बड़ा सहयोगी प्रदूषित हवा बन सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत की हवा में प्रदूषक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की उपस्थिति स्वस्थ मानक से लगभग सात गुना अधिक पाई गई है। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए अलार्म बेल है क्योंकि यह प्रदूषण समान रूप से सबको अपने वश में लेता है; चाहे अमीर हो या गरीब,शहरी हो या ग्रामीण,वृद्ध हो या नवजात। विषैली हवा सीमाओं और वर्गों के बीच कोई भेदभाव नहीं करती वह सीधा फेफड़ों पर हमला करती है।

प्रदूषण का विस्तार केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक त्रासदी है,क्योंकि मनुष्य का प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहना चिरकालीन सत्य है। प्रकृति हमारी माता है और हमने उसके असीम संसाधनों का उपयोग करते समय उसकी मर्यादा को भुला दिया है। जंगल कटे,नदियाँ दम तोड़ने लगीं,नदियों की शुद्धाँश रेत बन कर बिकने लगी और हवा में जीवन की सुगंध स्थानांतरित होकर धुएँ की कड़वाहट में बदल गई। आज आकाश में तारे नहीं,धूल-कण चमकते हैं; हवा में फूलों की महक नहीं,रसायनों की चुभन है। यह सिर्फ पर्यावरण का दुरुपयोग नहीं,बल्कि मानव संवेदनाओं की हत्या है।औद्योगिक विस्तार,वाहनों की अनियंत्रित वृद्धि,कोयला,पेट्रोल-डीज़ल का अत्यधिक दहन,एयर-कंडिशनिंग,शहरी निर्माणों की असीम दौड़, खेतों में पराली का जलना, उर्वरकों-कीटनाशकों का भयानक प्रयोगये सभी कारण मिलकर प्रदूषण की विस्फोटक स्थिति को जन्म दे रहे हैं। समाधान के नाम पर कानून हैं,पर क्रियान्वयन अधूरा। योजनाएँ हैं,पर ज़मीन पर प्रतिबद्धता नहीं। विकास की अंधी दौड़ में हम यह भूल गए कि बिना स्वच्छ हवा के कोई भविष्य संभव नहीं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता है वृक्षारोपण का राष्ट्रीय आंदोलन। जितने उद्योग हम खड़े करते हैं, उससे अनेक गुना अधिक संख्या में वृक्ष लगाना ही हमारा कर्तव्य होना चाहिए। जंगलों और हरियाली का संरक्षण देश की जीवनरेखा है। पेड़ केवल हरियाली नहीं, जीवन का कलेवर हैं–वे हवा को शुद्ध करते हैं, धरती के ताप को नियंत्रित रखते हैं,वर्षा चक्र को संतुलित करते हैं और जीवन में ऑक्सीजन का आशीर्वाद देते हैं। यदि हम वृक्षों को खो देंगे,तो तकनीक की कोई भी उन्नति हमें जीवन नहीं दे सकती। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण के लिए उद्योगों और वाहनों पर कठोर नियम लागू करने,वैकल्पिक ऊर्जा (सौर,पवन,जल) को व्यापक स्तर पर अपनाने,सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने और दहन के सभी अनियंत्रित स्रोतों पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। वायु प्रदूषण का सबसे घातक प्रभाव नौनिहालों और बुजुर्गों पर पड़ता है। बच्चे जब दुनिया में आते हैं,तो उनके पहले उपहार के रूप में प्रदूषित हवा फेफड़ों को कमजोर कर देती है और बुजुर्ग जीवन की अंतिम साँसें भी कठिनाई से लेते हैं। यह विडम्बना है कि जीवन की शुरुआत और अंत दोनों प्रदूषण की पीड़ा से घिरे हैं। अब वह समय आ चुका है जब हमें वायु प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध स्तर पर लड़ाई लड़नी होगी। यदि हम अभी नहीं जागे, तो भविष्य का इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा। कोरोना की महामारी ने हमें स्वच्छ हवा के मूल्य को समझाया है–अब आवश्यकता है कि हम इस मूल्य को बचाने की जिद करें। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और इसे सुरक्षित रखना सरकार,समाज और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। आइए संकल्प लें प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं,संवाद करेंगे,उसे लूटेंगे नहीं,संवारेंगे विकास का मार्ग चुनेंगे पर जीवित मानवता की कीमत पर नहीं। स्वच्छ हवा,स्वच्छ विचार और स्वच्छ आत्मा ही एक स्वस्थ राष्ट्र की पहचान बने।

पश्चिम एशिया का युद्ध और ऊर्जा संकट की आहट!

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम.मप्र.

अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध के तेज होने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल दिखाई देने लगी है। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचना इस बात का संकेत है कि विश्व अर्थव्यवस्था एक नए संकट की ओर बढ़ रही है। पश्चिम एशिया लंबे समय से दुनिया के ऊर्जा संसाधनों का प्रमुख केंद्र रहा है और यहां किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव सीधे वैश्विक आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित करता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद स्थिति और जटिल हो गई है। जवाबी कार्रवाई में ईरान खाड़ी क्षेत्र के देशों को भी निशाना बना रहा है। इसके परिणामस्वरूप तेल और गैस आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग ठप्प पड़ गया है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल व्यापार का लगभग एक-पांचवां हिस्सा वहन करता है। यदि यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है,तो दुनिया के कई देशों में ऊर्जा संकट गहराना तय है। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई,परिवहन लागत, उद्योगों की उत्पादन लागत और आम नागरिकों की जीवनशैली पर पड़ता है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है तो पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ रसोई गैस,बिजली और उर्वरकों की कीमतों में भी तेजी आ सकती है। स्थिति की गंभीरता के संकेत देश के कुछ हिस्सों में दिखाई भी देने लगे हैं। बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों से गैस सिलेंडर की कमी के कारण होटल और यहां तक कि कुछ श्मशान घाटों के बंद होने की खबरें सामने आई हैं। सरकार भले ही यह भरोसा दिला रही हो कि पेट्रोलियम पदार्थों की कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन जमीनी स्तर पर आपूर्ति में बाधा के संकेत चिंताजनक हैं। आज के समय में अधिकांश घरों में खाना बनाने का प्रमुख साधन एलपीजी गैस है। पहले की तरह लकड़ी या कोयले के चूल्हे अब न तो आसानी से उपलब्ध हैं और न ही शहरी जीवन में उनका उपयोग संभव है। ऐसे में गैस की कमी सीधे आम लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकती है। बिजली से कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन यदि बिजली आपूर्ति भी बाधित होने लगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी। इस संकट का एक अन्य प्रभाव कृषि क्षेत्र पर भी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया से आने वाली गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का उपयोग उर्वरक उद्योग में होता है। यदि इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उर्वरकों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे किसानों की लागत और खाद्य कीमतों पर असर पड़ेगा। ऐसे समय में भारत सहित अन्य देशों के लिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और वैकल्पिक ऊर्जा के विकास की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश भविष्य के ऐसे संकटों से बचाव का महत्वपूर्ण उपाय हो सकता है।

साथ ही रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करना और ऊर्जा दक्षता बढ़ाना भी समय की मांग है। पश्चिम एशिया का यह युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है,बल्कि इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इसलिए वैश्विक शक्तियों को सैन्य समाधान के बजाय कूटनीतिक प्रयासों पर जोर देना चाहिए, ताकि ऊर्जा आपूर्ति की स्थिरता और विश्व अर्थव्यवस्था की संतुलित गति बनी रह सके।

कविता

संजय एम तराणेकर
इन्दौर (मध्य प्रदेश)

गैस टंकी की मार पड़ी...?

गैस टंकी चार को बुक कराई,
सात को कीमत बढ़कर आई।
यहाँ साठ रुपए की मार पड़ी,
जेब पे हमारे ये भारी हैं पड़ी।

वाह! रे..हमारी प्यारी सरकार,
क्यों? किया हम पे अत्याचार।
सात तारीख बाद वसूल करते,
समझ में आता खुशी से भरते।

सोचा था थोड़ा सुकून मिलेगा,
रसोई का खर्चा तो कम रहेगा।
बावल्या ट्रंप युद्ध आग झेलेगा,
अरे ये विश्व पगल्या को सहेगा?
(संदर्भ - 7 से गैस 60/-महंगी,
सरकार मार्च से वसूल रहीं)

विस्तारित ....करते हो...

गरिमा राकेश गर्विता

नाम तो बस संज्ञा है
तुम्हारी व मेरी।
नाम से आगे तुम और मैं
'हम' सर्वनाम है।
जिसके विशेषण में प्रेम
अनिश्यवाचक है।
तुम्हारा साथ
प्रेरणार्थक क्रिया-सा होता है
जो हर काल में
अनुप्रास के वर्णों की तरह
एक जैसा लेकिन,
श्लेष की तरह
अलग-अलग भावार्थ में
छुपा रहता है... ।
कर्मधारय की तरह
तुम मेरा विशेषण बनते हो ,
और अपने प्रेम के अर्थ को
विस्तारित... विस्तारित... विस्तारित करते हो ....।

सुविचार

मैं अपने जीवन में बार-बार असफल हुआ हूं और इसीलिए सफल होता हूं।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

गोचर भूमि विवाद को लेकर नवापारा चौक में पूर्व उपमुख्यमंत्री का पुतला दहन

पंडो जनजाति और भाजपा एसटी मोर्चा का प्रदर्शन,तीर-धनुष के साथ नारेबाजी,जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप...

-संवाददाता-
लखनपुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम नवापारा चौक में मंगलवार 10 मार्च 2026 को गोचर भूमि विवाद को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का पुतला दहन किया गया। यह प्रदर्शन पंडो जनजाति के लोगों तथा भाजपा मंडल कुन्नी के एसटी मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। मिली जानकारी के अनुसार दो-तीन दिन पहले जमीन को लेकर दिए गए बयान से नाराज पंडो समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि जिस जमीन को गोचर बताया जा रहा है,उसे उनके पूर्वजों ने वर्षों पहले जंगल काटकर खेती योग्य बनाया था। समाज के लोगों का कहना है कि कई पीढ़ियों से वे इसी जमीन पर खेती-किसानी कर जीवन यापन कर रहे हैं और अब जबरन जमीन छीनने की कोशिश की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि राजाकटेल गांव में पंडो समाज के आदिवासियों की जमीनों पर कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा अवैध तरीके से कब्जा किया गया है। इस मामले में जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर पंडो समाज के लोगों ने पूर्व में कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन भी सौंपा था। मंगलवार दोपहर लगभग 3.05 बजे नवापारा चौक, मुख्य मार्ग एनएच-130 के समीप पंडो समाज और भाजपा एसटी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'टी.एस. बाबा मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कई प्रदर्शनकारी पारंपरिक तीर-धनुष लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए कहा कि टीएस सिंहदेव स्वयं गांव आकर जमीन की वास्तविक स्थिति देखें कि वह गोचर भूमि है या उनके पूर्वजों द्वारा तैयार की गई खेती योग्य जमीन। प्रदर्शन में राजाकटेल गांव से आए पंडो समाज के लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे। इनमें संनमान पंडो, दरोगा राम पंडो, रतन राम पंडो, लाल गुलाब पंडो,तीजों बाई पंडो,रतीयानो पंडो,सुधियारो पंडो सहित लगभग 30 से 35 महिला-पुरुष उपस्थित थे। वहीं भाजपा मंडल कुन्नी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इनमें एसटी महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी पैंकरा,भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंद्र भगत,एसटी मोर्चा महामंत्री रविकांत उरांव,एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सुखसाय पोर्ते, मंडल अध्यक्ष कुन्नी रवि महंत, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, आरकेएस यादव सहित करीब 45 से 50 कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुतला दहन और नारेबाजी का कार्यक्रम लगभग 3.12 बजे समाप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। एसडीओपी तुल साय पट्टावी,थाना प्रभारी लखनपुर अपने स्टाफ के साथ उपस्थित रहे, वहीं नायब तहसीलदार उमेश तिवारी भी मौके पर मौजूद थे।

एचआईवी संक्रमितों के साथ भेदभाव नहीं मेडिकल कॉलेज में अधिनियम पर प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एचआईवी/एड्स (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल) अधिनियम 2017 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण राज्य एड्स नियंत्रण समिति और संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर के निर्देश पर आयोजित किया गया,जिसमें चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में एचआईवी/एड्स अधिनियम 2017 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा, उनकी पहचान की गोपनीयता बनाए रखने, उपचार से पहले सूचित सहमति (इनफॉर्म्ड कंसेंट) लेने तथा उनके साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य संस्थानों में शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के साथ भेदभाव करना कानूनन दंडनीय है। इसलिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में उन्हें सम्मानजनक, गोपनीय और समान स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। इस अवसर पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रमेश आर्य, सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. प्रतिमा वर्मा, डॉ. जगरानी लकड़ा, डॉ. जीके दामले, सुशील तिवारी, सतीश कुशवाहा और आराधना मौजूद रहे। संगता एनजीओ से राखी सिंह तथा काउंसलर संजय श्रीवास्तव ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

बलरामपुर में 4 एकड़ में अफीम की अवैध खेती पकड़ी

जंगल किनारे लहलहा रही थी फसल,डोडों में चीरा लगाकर अफीम निकालने की थी तैयारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में दुर्ग के बाद अब बलरामपुर जिले में भी अफीम की अवैध खेती का बड़ा मामला सामने आया है। कुसमी थाना क्षेत्र के त्रिपुरी गांव के सरनाटोली इलाके में करीब 4 एकड़ जमीन पर अफीम की फसल उगाई जा रही थी। खेत गांव से दूर जंगल किनारे स्थित है,जहां फसल पूरी तरह तैयार हालत में मिली। पुलिस के अनुसार अफीम के डोडों में चीरा लगाया जा चुका था और उससे अफीम निकालने की तैयारी चल रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में सूखे डोडे बरामद किए,जिनमें खसखस भरे हुए थे। सूचना मिलने पर मंगलवार को कुसमी एसडीओपी आशीष कुंजाम के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध खेती को नष्ट करने की कार्रवाई की।

ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना : स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें खेत में अफीम की खेती होने की जानकारी तो थी, लेकिन यह अवैध है इसकी जानकारी नहीं थी। हाल ही में दुर्ग जिले में अफीम की खेती पर हुई कार्रवाई के बाद उन्हें इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

झारखंड सीमा से लगा है इलाका

पुलिस के मुताबिक जिस जगह अफीम की खेती की जा रही थी वह इलाका झारखंड सीमा से लगा हुआ है। आशंका है कि बाहरी लोगों ने ग्रामीणों की जमीन किराये पर लेकर यह खेती कराई थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और इसमें शामिल लोगों की तलाश जारी है।

नशीले इंजेक्शन का अवैध परिवहन करते पाए गए 03 आरोपियों को कुसमी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

-संवाददाता-
कुसमी,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कुसमी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि कुसमी निवासी मनेश कुमार प्रजापति पल्सर मोटरसाइकिल में अपने 02 साथियों के साथ झारखंड महुआडांड़ की तरफ से नशीली इंजेक्शन लेकर आ रहे हैं,कि सूचना पर घटनास्थल कुसमी कोरंधा रोड में हमराह स्टाफ के पहुंचकर संदेही .01 मोहम्मद सैफ 02. मनेश कुमार प्रजापति 03. पंकज प्रजापति तीनों निवासी कुसमी जिला बलरामपुर जो महुआडांड़ कोरंधा की ओर से काले रंग के 150 सीसी बजाज पल्सर मो.सा. में आते मिले जिन्हें रोक कर विधिवत तलाशी एवं रेड कार्यवाही करने पर संदेही मनेश कुमार प्रजापति के मोटर साइकिल से और मो. सैफ एवं पंकज प्रजापति के संयुक्त कब्जे से नशीली इंजेक्शन पालिथीन में 13 नग Pheniramine maleate Injection I.P Avil 10 ml एवं एक शीशी में आधा भरा हुआ लगभग 0.5ml कुल मात्रा 130.5 ml एवं NR& Buprenorphine injection I.P 0.3 mg/ml REXOGESIC 2ML AMPOULES 13 नग कुल मात्रा 26 द्वद्य मिला, जो विधिवत जप्ती की कार्यवाही कर आरोपियों द्वारा धारा 21 (c) NDPS का अपराध घटित करना पाए जाने से विधिवत कार्यवाही कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे युवक को मारी टक्कर,मौत

-संवाददाता-
लुण्ड्रा,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लुंड्रा थाना क्षेत्र के बरगीडीह मार्ग पर मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक उछलकर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया,जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महोरा निवासी सुबोध (24) अपने खेत में सिंचाई करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान लुंड्रा की ओर से बगीचा की तरफ जा रही कार क्रमांक सीजी 10 के 3366 ने तेज रफ्तार में सुबोध को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से वह उछलकर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को इसकी सूचना दी। डायल 112 की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़कर फरार हो गया। लुंड्रा पुलिस ने कार ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बताया गया है कि, कार जशपुर जिले के बगीचा क्षेत्र की है।

दो दिन बंद रहेगी पानी की सप्लाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

नगर निगम के कुछ क्षेत्रों में दो दिनों तक पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। नगर निगम के अनुसार मायापुर पम्पिंग स्टेशन में आवश्यक सुधार कार्य किए जाने के कारण कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। निगम के अनुसार 11 मार्च की शाम तथा 12 मार्च की सुबह और शाम को मायापुर पानी टंकी,केदारपुर पानी टंकी,नमनाकला पानी टंकी-1 व 2, मणिपुर पानी टंकी-1 व 2 तथा घुटरापारा पानी टंकी से जुड़े इलाकों में पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

जादू-टोना के शक में महिला की निर्मम हत्या,पति समेत 4 गिरफ्तार

-संवाददाता-
जशपुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

सरकार द्वारा कानून लाए जाने और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा जागरूकता के तमाम प्रयासों के बावजूद छत्तीसगढ़ में अंधविश्वास की जड़ें आज भी गहराई तक हैं। आए दिन जादू-टोना और अंधविश्वास के चलते हिंसक घटनाएं घट रही हैं। ऐसा ही एक मामला आदिवासी बाहुल्य जिला जशपुर में सामने आया,जहां जादू-टोना के शक में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपियों ने महिला के साथ क्रूरता की हद पार करते हुए लकड़ी के डंडे से गंभीर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मृतिका के पति सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना सन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम गट्ठी महुआ की है। मृतिका की पहचान गोईदी बाई (48 वर्ष) के रूप में हुई है। 6 मार्च को मृतिका के भाई सहलू राम ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी बहन घर में मृत अवस्था में पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। घटनास्थल के निरीक्षण और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए।

लगाया जादू-टोने का आरोप

डॉक्टरों की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि महिला की मौत कठोर और भोंथरी वस्तु से गंभीर चोट पहुंचने के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। जांच के दौरान सामने आया कि 5 मार्च को मृतिका और उसकी सौतन फुला बाई के बीच विवाद हुआ था। बाद में मृतिका को बहला-फुसलाकर एक झोपड़ी में ले जाया गया, जहां चारों आरोपियों ने उस पर जादू-टोना करने का आरोप लगाया।

क्रूरता से की मारपीट

इसी शक में आरोपियों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और क्रूर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपियों ने शव को घर लाकर बिस्तर पर रख दिया और ऊपर से कंबल ढंक दिया ताकि मामला सामान्य मौत जैसा लगे। पुलिस ने जांच के दौरान घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में ठूपन राम (45), फुला बाई (48), सुनील राम (23) और सुरन्ती बाई (22) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

आत्मसमर्पित नक्सली कमांडर को नहीं मिला पुनर्वास नीति का लाभ

प्रधानमंत्री आवास योजना में कर्ज लेकर बनाया मकान,भुगतान नहीं होने से बढ़ा आर्थिक संकट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का एक आत्मसमर्पित नक्सली कमांडर मंगलवार को मीडिया के सामने अपनी परेशानी रखते हुए कहा कि यदि उसे नक्सल पुनर्वास नीति का लाभ नहीं मिला तो परिवार के साथ आत्महत्या करने या फिर घर छोड़ने की नौबत आ सकती है। जानकारी के अनुसार ग्राम गम्हरिया, थाना चलगली निवासी सीताराम उर्फ बालकुंवर सोनवानी ने वर्ष 2021 में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। वह पहले नक्सली संगठन में एरिया कमांडर के रूप में सक्रिय रहा है। सीताराम ने बताया कि मुख्यधारा में लौटने के बाद उसने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कर्ज लेकर मकान का निर्माण कराया। लेकिन अब निर्माण सामग्री देने वाले व्यापारी लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहे हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह भुगतान नहीं कर पा रहा है, जिससे वह काफी परेशान है। उसका कहना है कि नक्सल पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली सुविधाओं का लाभ अब तक नहीं मिला है। इसी वजह से वह अपनी समस्या लेकर अंबिकापुर पहुंचा और मीडिया के सामने अपनी पीड़ा जाहिर की। सीताराम ने कहा कि यदि हालात ऐसे ही बने रहे तो उसे फिर से घर छोड़ने की मजबूरी हो सकती है।

2003 में नक्सल संगठन से जुड़ा था

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा जारी प्रमाण पत्र के अनुसार सीताराम उर्फ बालकुंवर सोनवानी वर्ष 2003 में नक्सली संगठन से जुड़ा था और चलगली क्षेत्र में एरिया कमांडर के रूप में सक्रिय था। शासन की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उसने 26 फरवरी 2021 को पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के समक्ष आत्मसमर्पण किया था।

जिले के 71 परीक्षा केन्द्रों में हायर सेकेण्डरी अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2026 अंतर्गत 10 मार्च 2026 को सरगुजा जिले के 71 परीक्षा केन्द्रों में अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा की सुचारू एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेड्राकला, रामपुर, बरगीडीह, प्रभात उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राई रघुनाथपुर तथा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनपुर सहित अन्य परीक्षा केन्द्रों का अवलोकन किया गया। इसी प्रकार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुर वार्ड अम्बिकापुर, पुलिस लाईन तथा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने जिला ग्रंथालय में युवाओं से बात कर किया प्रेरित,उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं

पाठकों की सुविधा के लिए कम्प्यूटर सिस्टम,एयर कंडीशनर,कुर्सियों आदि की व्यवस्था करने दिए निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने मंगलवार को जिला ग्रंथालय का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पाठकों के लिए समुचित व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं से भी बात कर प्रेरित किया और कठिन परिश्रम कर सफलता अर्जित करने शुभकामनाएं दी। निरीक्षण के दौरान श्री वसंत ने अनुपयोगी पुस्तकों एवं पुराने अखबारों को अपलेखित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संविधान के मूल प्रति का अवलोकन किया तथा कहा कि ग्रन्थालय में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों एवं सदस्यों को संविधान की मूल प्रति का अवलोकन करवाएं। उन्होंने महत्वपूर्ण पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिए बाईंडिंग करवाने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों हेतु ग्रन्थालय में 5 कम्प्यूटर सिस्टम एवं 2 प्रिन्टर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बैठने हेतु आवश्यकतानुसार अच्छी कुर्सियां उपलब्ध करायी जाएं। वहीं उन्होंने गर्मी के मौसम में विद्यार्थियों को असुविधा ना हो, इसलिए ग्रन्थालय कक्ष में 4 एयर कंडीशनर लगवाने निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रन्थालय के प्रथम तल में बड़े हॉल निर्माण हेतु आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया।

CMYK

राजीव भवन बैकुंठपुर में धूमधाम से मना पूर्व नपा अध्यक्ष अशोक जायसवाल का जन्मदिवस,जुटा कांग्रेसियों का बड़ा जमावड़ा

जन्मदिवस बना शक्ति प्रदर्शन...राजीव भवन में जुटे कांग्रेसी,बढ़ते जनाधार की चर्चा

- राजीव भवन में जश्न,राजनीति में हलचल,अशोक जायसवाल के जन्मदिवस ने दिए कई संकेत
- जन्मदिवस समारोह में जुटी भीड़,कुछ नेताओं की गैरमौजूदगी बना चर्चा का विषय
- बैकुंठपुर में अशोक जायसवाल का बढ़ता कद, जन्मदिवस समारोह से मिले सियासी संकेत
- कांग्रेस कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल को मिली बधाइयाँ,बढ़ते जनाधार पर सियासी चर्चा तेज
- जन्मदिवस पर दिखा अशोक जायसवाल का जनाधार,बैकुंठपुर की राजनीति में बढ़ी हलचल
- राजीव भवन में भव्य जन्मदिवस समारोह

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित राजीव भवन सोमवार 9 मार्च 2026 को उस समय पूरी तरह उत्सव के माहौल में नजर आया, जब कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर और वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया,इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। राजीव भवन परिसर में सुबह से ही कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था और दिनभर बधाई देने वालों का सिलसिला चलता रहा।

पहली बार राजीव भवन में इतने भव्य तरीके से मनाया गया जन्मदिवस

राजीव भवन बैकुंठपुर में किसी कांग्रेसी नेता का जन्मदिवस इस तरह भव्य रूप में मनाया जाना कई लोगों के लिए नया अनुभव था, कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने अशोक जायसवाल का महामाला पहनाकर स्वागत किया, केक काटा गया और मिठाई वितरित कर उनके जन्मदिवस को यादगार बनाया गया, इस दौरान उपस्थित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके लंबे राजनीतिक जीवन और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

कुछ नेताओं की गैरमौजूदगी भी बनी चर्चा

हालांकि समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे, लेकिन इस दौरान जिला कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कुछ नेताओं की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी रही, सूत्रों के अनुसार कुछ वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में नजर नहीं आए, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग तरह की चर्चाएँ होती रहीं,कुछ लोगों ने इसे पार्टी के अंदरूनी समीकरणों से जोड़कर देखा, हालांकि इस संबंध में किसी भी नेता की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

राजीव भवन से घर तक चला जन्मदिन का सिलसिला

अशोक जायसवाल का जन्मदिवस केवल राजीव भवन तक ही सीमित नहीं रहा,दिनभर उनके घर पर भी बधाई देने वालों का तांता लगा रहा,सामाजिक संगठनों, कर्मचारी संगठनों और विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग उनके निवास पर पहुंचे और उन्हें शुभकामनाएँ दीं,देर रात तक जन्मदिवस में बधाई देने का यह सिलसिला जारी रहा।

राजीव भवन से अशोक जायसवाल का विशेष जुड़ाव

राजनीतिक हलकों में यह भी माना जाता है कि बैकुंठपुर के राजीव भवन के निर्माण और उसे भव्य स्वरूप देने में अशोक जायसवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, बताया जाता है कि उनके ही देखरेख में इस भवन का निर्माण कार्य हुआ था,जिसके कारण यह भवन आज कांग्रेस गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है,इसी वजह से जब उनके जन्मदिन का आयोजन उसी परिसर में किया गया तो कार्यकर्ताओं के लिए यह आयोजन और भी खास बन गया।

जिलेभर से पहुंचे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता

जन्मदिवस समारोह में कोरिया जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए,खासतौर पर बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कार्यकर्ताओं की अच्छी खासी मौजूदगी देखने को मिली, कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने एकजुट होकर अपने नेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

राजनीतिक सीमाओं से परे मिला समर्थन

इस अवसर की एक खास बात यह भी रही कि केवल कांग्रेस कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि अन्य राजनीतिक दलों से जुड़े कुछ लोगों ने भी व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर अशोक जायसवाल को जन्मदिन की बधाई दी, भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने भी उनके घर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं,जिससे यह संदेश गया कि उनका व्यक्तिगत संबंध विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक वर्गों से बना हुआ है।

बढ़ता जनाधार और राजनीतिक चर्चा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस जन्मदिवस समारोह में जुटी भीड़ ने कहीं न कहीं यह संकेत भी दिया कि बैकुंठपुर क्षेत्र में अशोक जायसवाल का जनाधार लगातार बढ़ रहा है, कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों और संगठनों से लोगों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वे केवल एक राजनीतिक नेता ही नहीं बल्कि एक लोकप्रिय सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में भी पहचान बना चुके हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा

सूत्रों के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी कोरिया और एमसीबी जिले की दो प्रमुख सीटों–बैकुंठपुर और मनेंद्रगढ़–में टिकट वितरण को लेकर नई रणनीति बना सकती है,बताया जा रहा है कि मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को मौका देने और बैकुंठपुर से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नेता को टिकट देने की मांग भी कुछ नेताओं द्वारा उठाई जा रही है,यदि ऐसा होता है तो राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि अशोक जायसवाल बैकुंठपुर से कांग्रेस के मजबूत दावेदार के रूप में उभर सकते हैं।

जन्मदिवस समारोह ने दिया राजनीतिक संदेश

राजीव भवन में आयोजित यह जन्मदिवस समारोह कई मायनों में खास रहा, यह केवल एक व्यक्तिगत उत्सव नहीं बल्कि एक ऐसा आयोजन भी साबित हुआ जिसने बैकुंठपुर की राजनीति में अशोक जायसवाल की सक्रियता और बढ़ते प्रभाव का संकेत दिया,कुल मिलाकर 9 मार्च 2026 का दिन बैकुंठपुर के राजीव भवन के लिए खास रहा, जहाँ एक जन्मदिन समारोह ने सियासी गलियारों में भी कई नई चर्चाओं को जन्म दे दिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दीप्ति वर्मा को राज्य स्तरीय सम्मान

पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए दीप्ति वर्मा सम्मानित

वन और वन्यजीव संरक्षण में योगदान पर सूरजपुर की दीप्ति वर्मा को राज्य स्तरीय पुरस्कार

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब वन विभाग में कार्यरत तकनीकी सहायक दीप्ति वर्मा को राज्य स्तरीय सम्मान से पुरस्कृत किया गया, यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण, वनों और वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया, यह सम्मान समारोह रायपुर में लावण्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली कुल 51 महिलाओं को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली महिलाओं के योगदान को सम्मान देना और उनके कार्यों को प्रोत्साहित करना था। इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे, जिनकी अध्यक्षता में यह समारोह संपन्न हुआ,कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मंच पर सम्मानित किया गया और उनके कार्यों की सराहना की गई,दीप्ति वर्मा को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए दिया गया,उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों के बीच वनों और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया है, इसके साथ ही उन्होंने वन विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों तथा वन समितियों को नवाचार गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, दीप्ति वर्मा द्वारा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और लगाए गए पौधों को सफल बनाने के लिए भी लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, उनके प्रयासों के कारण कई क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता आई है,वन विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी भी सराहनीय रही है, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिला यह सम्मान न केवल दीप्ति वर्मा के लिए, बल्कि सूरजपुर जिले के लिए भी गर्व का विषय माना जा रहा है, उनके इस सम्मान से जिले की अन्य महिलाओं को भी समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी, इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दीप्ति वर्मा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के क्षेत्र में उनका योगदान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका यह सम्मान नारी शक्ति की क्षमता और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी दर्शाता है।

कोरिया पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन,नारी शक्ति को मिला सम्मान

एसपी रवि कुर्रे की पहल : पुलिस लाइन में महिला दिवस पर खेल,संस्कृति और सम्मान का संगम

- नारी शक्ति को सलामः कोरिया पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य समारोह...
- एएसपी सुरेशा चौबे की अगुवाई में सफल आयोजन,पुलिस लाइन में महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान

-संवाददाता-

कोरिया,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोरिया जिले के पुलिस लाइन परिसर में महिलाओं के सम्मान में एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में नारी शक्ति के सम्मान, उनकी उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया, इस अवसर पर पुलिस विभाग, न्यायिक क्षेत्र तथा समाज सेवा से जुड़े कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को प्रोत्साहित करना और समाज में उनकी भूमिका को सम्मान देना रहा।

एएसपी सुरेशा चौबे के कंधों पर थी आयोजन की जिम्मेदारी : कार्यक्रम के सफल आयोजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही, पूरे आयोजन की कमान उनके हाथों में थी और उनकी कुशल योजना तथा समर्पित प्रयासों के कारण कार्यक्रम अत्यंत व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से संपन्न हुआ, सूक्ष्म योजना, अनुशासन और उत्सव के माहौल के बीच संतुलन बनाए रखने में उनकी कार्यकुशलता स्पष्ट दिखाई दी। उपस्थित लोगों ने उनके नेतृत्व और मेहनत की सराहना की, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

मुख्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश पारिक तथा पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे उपस्थित रहे, विशिष्ट अतिथियों के रूप में कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें सीजीएम प्रतीक्षा अग्रवाल, जेएमएफसी प्रेरणा अहिरे, धारणी राणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमिता मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेविका वंदना दत्ता, मनोवैज्ञानिक डॉ. सोमा नायर, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बीके रेखा विशेष रूप से उपस्थित रहीं, इन सभी अतिथियों ने महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज में उनकी बढ़ती भूमिका पर अपने विचार भी व्यक्त किए।

खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समा

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के उत्साह को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया,इसमें रंगोली प्रतियोगिता,सीढ़ी दौड़ और कबड्डी जैसी गतिविधियां शामिल रहीं, इन प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया, पुलिस लाइन का परिसर पूरे दिन उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

हर वर्ग की महिलाओं का हुआ सम्मान

इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें समाज के हर वर्ग से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया, स्वच्छता दीदियों,ई-रिक्शा चालक महिलाओं, पुलिस परिवार की महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया,इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाज के विकास में हर महिला का योगदान महत्वपूर्ण है और उन्हें सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी है।

पुलिस लाइन की बेटियों को भी मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान पुलिस परिवार की प्रतिभाशाली बेटियों को भी उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, सम्मानित होने वालों में कु. जेनी मिंज - सीएमए (लागत लेखाकार) परीक्षा उत्तीर्ण, कु. स्वधा - कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड में 95%, कु. खुशी गोयल - 10वीं बोर्ड में 89.33%, कु. प्राची पैकरा - 10वीं बोर्ड में 94%, कु. शिवाली - 10वीं बोर्ड में 80%, कु. पूजा पैकरा - 10वीं बोर्ड में 76% शामिल रहीं, इन छात्राओं की उपलब्धियों को मंच से सराहा गया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

पुलिस परिवार की महिलाओं को भी मिला सम्मान

इसके साथ ही पुलिस परिवार से जुड़ी कई महिलाओं को उनकी शैक्षणिक और सामाजिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया,इनमें प्रमुख रूप से श्रीमति ललिता सिंह,पुष्पा भगत,सुप्रिया यादव, मंजू केंवट, शांति पैकरा, सुनीता पुलस्त, अंजली चौहान,अनिता सिंह,फिलीस्तिया लकड़ा,अनिता टोप्पो,आशारोस लकड़ा, टूमिला पैकरा और रश्मि तिवारी शामिल रहीं,इन सभी महिलाओं को उनकी शिक्षा और उपलब्धियों के लिए सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

CMYK

नहर पर बना चौक या फाइलों का खेल ?

2023 में अतिक्रमण, 2026 में 'नो ऑब्जेक्शन'

सरकारी कागजों का कमाल, जो कल अतिक्रमण था... आज बन गया वैध निर्माण

तीन साल में बदल गया सच, नहर की जमीन से गायब हुआ 'अतिक्रमण'

जल संसाधन विभाग की फाइलों का चमत्कारःनहर भी खिसकी और अतिक्रमण भी मिट गया

कागजों में बहती नहरः पहले अतिक्रमण,अब विभाग को कोई आपत्ति नहीं...

फाइलों की स्याही का खेलःनहर की जमीन पर बना चौक तीन साल में हो गया वैध...

अनोखा मामलाःनहर वही,चौक वही....बस सरकारी राय बदल गई

सरकारी दस्तावेजों का यू-टर्नः अतिक्रमण से 'अनापत्ति' तक की कहानी

नहर में अतिक्रमण से 'नो ऑब्जेक्शन' तकः तीन साल में कैसे बदल गया जल संसाधन विभाग का सच?

2023 में नहर की जमीन पर निर्माण बताकर हटाने की सिफारिश, 2026 में उसी निर्माण पर विभाग को कोई आपत्ति नहीं – आखिर सच बदला या फाइलों की भाषा?

-रवि सिंह-

कोरिया,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के बैकुंठपुर में एक छोटा सा चौक इन दिनों बड़े सवाल खड़े कर रहा है,नाम है भक्त माता कर्मा चौक,लेकिन इसके आसपास जो प्रशासनिक कहानी घूम रही है,वह किसी व्यंग्य नाटक से कम नहीं लगती,सरकारी फाइलों की दुनिया में जहां शब्दों का वजन कानून से कम नहीं होता,वहीं इसी चौक के मामले में जल संसाधन विभाग के तीन अलग-अलग पत्र एक ऐसी कहानी बयान कर रहे हैं,जिसमें सच हर तीन साल में नया रूप लेता नजर आता है, अगर इन पत्रों को क्रम से पढ़ा जाए तो लगता है कि या तो नहर की जमीन खुद चलकर कहीं और चली गई,या फिर सरकारी फाइलों की स्याही ने अपना रंग बदल लिया।

घटती घटना | सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार | अम्बिकापुर , मंगलवार 10 मार्च 2026 | 4

कोरिया में 'नया नियम'? नहर की जमीन पर कब्जे को भी मिल सकती है NOC

पहले बताया अतिक्रमण,अब दे दी अनापत्तिः कोरिया में नहर भूमि विवाद पर बड़ा खुलासा

- कोरिया बना नया उदाहरणःनहर की जमीन पर कब्जे को विभाग की 'हरी झंडी'
- पहले अतिक्रमण हटाने की बात,अब जारी कर दी एनओसी-जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता की भूमिका पर उठे सवाल
- हाईकोर्ट में मामला लंबित,फिर भी जारी हो गई एनओसी - कौन है जिम्मेदार?
- नहर की सरकारी जमीन पर कब्जा और अनापत्ति प्रमाण पत्र ! कोरिया में नियमों को खुली चुनौती

नहर की जमीन पर एनओसी! कोरिया में नियमों को ठेंगा,जल अधिनियम पर बड़ा सवाल

अतिक्रमण हटाने की जगह मिला प्रमाण पत्र! जल संसाधन विभाग की भूमिका पर सवाल

नहर की सरकारी जमीन पर कब्जा और अब अनापत्ति प्रमाण पत्र! प्रशासन कटघरे में...

पहले दो बार कहा अवैध,अब दे दी अनुमति — कोरिया में नहर भूमि विवाद ने उठाए बड़े सवाल

क्या कार्यपालन अभियंता कानून से ऊपर? नहर की जमीन पर एनओसी से मचा हड़कंप...

अब क्या होगा?

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सही क्या है? अगर 2023 की जांच सही थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और अगर 2026 का पत्र सही है,तो पहले के पत्रों में गलत जानकारी क्यों दी गई? ऐसे मामलों में पारदर्शिता बेहद जरूरी होती है,क्योंकि जब सरकारी दस्तावेज ही विरोधाभासी हो जाएं,तो लोगों का भरोसा कमजोर पड़ता है।

अंत में...

भक्त माता कर्मा चौक शायद अपने स्थान पर शांति से खड़ा होगा,लेकिन उसके आसपास घूम रही सरकारी फाइलों की कहानी यह बता रही है कि प्रशासनिक दुनिया में सच कभी-कभी समय के साथ बदल भी जाता है, या फिर यूं कहें कि यहां नहर से ज्यादा गहरी फाइलों की धारा बहती है, और इस धारा में कभी अतिक्रमण बहता है, तो कभी 'कोई आपत्ति नहीं'।

तीन साल में क्या बदल गया?

अब सवाल यह उठता है कि तीन साल में आखिर बदला क्या?

क्या नहर की जमीन सिकुड़कर कहीं और चली गई?

क्या चौक रातों-रात नहर से हटकर दूसरी जगह चला गया?

या फिर सरकारी फाइलों के शब्दों ने नया जन्म ले लिया?

2023 के दस्तावेजों में जिस निर्माण को नहर की जमीन पर अतिक्रमण बताया गया था?

वही निर्माण 2026 में पूरी तरह वैध कैसे हो गया?

2023:जब चौक बना 'अतिक्रमण'

सबसे पहले चलते हैं साल 2023 में, उस समय जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता कार्यालय से एक पत्र जारी हुआ, इस पत्र में साफ लिखा गया कि ग्राम भांडी में बने भक्त माता कर्मा चौक का निर्माण माइनर नहर की जमीन के भीतर किया गया है, पत्र के अनुसार जांच में पाया गया कि सिलफोडा जलाशय की माइनर नहर की जमीन पर लगभग 290 वर्गफुट क्षेत्र में निर्माण हुआ,चारों ओर करीब 7.5 फीट ऊंची कंक्रीट की दीवार बनाई गई,बीच में कर्मा माता की मूर्ति स्थापित की गई, इतना ही नहीं, विभाग ने यह भी स्पष्ट लिखा कि नहर की चौड़ाई 32 फीट है और जिस स्थान पर चौक बनाया गया है वह नहर की सीमा के अंदर आता है,सरकारी भाषा में कहें तो यह सीधे-सीधे अतिक्रमण था। और जब सरकारी विभाग खुद लिख दे कि अतिक्रमण है, तो आमतौर पर आगे की प्रक्रिया भी तय मानी जाती है।

2023 : अतिक्रमण हटाने की सिफारिश

इसी मामले में उसी साल 6 जुलाई 2023 को जल संसाधन विभाग ने एक और पत्र लिखा, इस बार पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को भेजा गया, इस पत्र में भी वही बातें दोहराई गईं – कि निर्माण माइनर नहर की भूमि पर किया गया है और इसलिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए, सरकारी फाइलों में यह सामान्य प्रक्रिया है। विभाग अतिक्रमण की पुष्टि करता है,फिर राजस्व विभाग से हटाने की कार्रवाई का अनुरोध करता है,लेकिन इस कहानी में मोड़ यहीं से शुरू होता है।

2026:अचानक सब कुछ 'ठीक' हो गया

अब आते हैं 6 फरवरी 2026 के पत्र पर, तीन साल बाद उसी जल संसाधन विभाग से एक नया पत्र जारी होता है। और इस पत्र में जो लिखा गया,उसने पहले के दोनों पत्रों को मानो इतिहास बना दिया,इस बार विभाग लिखता है की ग्राम भांडी में बने कर्मा चौक के पीछे माइनर नहर गुजरती है,निर्माण से नहर को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है, कोई अतिक्रमण नहीं किया गया है, विभाग को कोई आपत्ति नहीं है, यानी वही चौक, वही जगह, वही नहर – लेकिन निष्कर्ष बिल्कुल उल्टा।

फाइलों की दुनिया का 'चमत्कार'

सरकारी व्यवस्था में अक्सर कहा जाता है कि फाइलों में बहुत ताकत होती है,एक फाइल किसी को दोषी बना सकती है, और वही फाइल किसी को निर्दोष भी साबित कर सकती है, लेकिन इस मामले में तो फाइलों ने मानो जादू कर दिया, 2023 में जो जमीन नहर की सीमा के अंदर थी, वही 2026 में नहर के बाहर हो गई,और जो निर्माण अतिक्रमण था,वही बिना आपत्ति का निर्माण बन गया, अगर यही गति रही तो शायद कुछ साल बाद फाइलें यह भी लिख दें कि वहां नहर कभी थी ही नहीं।

स्थानीय चर्चा और सवाल

स्थानीय लोगों के बीच इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, कुछ लोग इसे प्रशासनिक लापरवाही मानते हैं, तो कुछ इसे दबाव की राजनीति का परिणाम बताते हैं,क्योंकि आमतौर पर सरकारी विभाग अपनी जांच के बाद जो निष्कर्ष लिखता है,उसे बदलना आसान नहीं होता, लेकिन यहां तो तीन साल में पूरा निष्कर्ष ही बदल गया, इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पहली जांच गलत थी? या बाद का पत्र दबाव में लिखा गया? अगर अतिक्रमण नहीं था, तो 2023 में विभाग ने उसे अतिक्रमण क्यों बताया? और अगर अतिक्रमण था, तो अब उसे वैध कैसे मान लिया गया?

प्रशासनिक विश्वसनीयता पर असर

सरकारी विभागों की विश्वसनीयता उनके दस्तावेजों पर टिकी होती है, जब एक ही विभाग अलग-अलग समय पर एक ही मामले में बिल्कुल उल्टे निष्कर्ष लिखता है,तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं,क्योंकि कानून और प्रशासन की नजर में सरकारी पत्र ही सबसे बड़ा प्रमाण होता है,लेकिन जब प्रमाण ही बदलने लगें,तो फिर सच और कागज के बीच की दूरी बढ़ने लगती है।

व्यंग्य की नजर से देखें तो....

अगर इस पूरे मामले को व्यंग्य की नजर से देखा जाए तो लगता है कि बैकुंठपुर की नहर भी शायद सरकारी फाइलों की भाषा समझती होगी, पहले उसने सोचा होगा –अरे, मैं तो यहां सालों से बह रही हूं, लेकिन कागज कह रहा है कि मेरी जमीन पर अतिक्रमण हो गया। फिर तीन साल बाद वही नहर मुस्कुराई होगी –चलो अच्छा है,अब कागज कह रहा है कि सब ठीक है। सरकारी फाइलों की दुनिया में शायद यही सबसे बड़ा सच है – जो आज अतिक्रमण है,वह कल 'नो ऑब्जेक्शन' भी बन सकता है।

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ में सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिला मौका

कोरिया जिले की नई टीम घोषित

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ संगठन ने झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ को मजबूत करने की दिशा में नई जिला टीम की घोषणा की है,भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मारकण्डेय एवं झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह द्वारा जिला संयोजक और सह-संयोजकों की सूची जारी की गई है।

जारी सूची के अनुसार कोरिया जिले में झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ का जिला संयोजक रोशन राजवाड़े को बनाया गया है, वहीं सह संयोजक के रूप में अभिजीत दुबे और संतोष यादव को जिम्मेदारी दी गई है, इसके अलावा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में राजेश साहू, विवेक गुप्ता और शिवम जायसवाल को नियुक्त किया गया है, नई जिम्मेदारी मिलने के बाद संबंधित पदाधिकारियों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है, पार्टी के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि नई टीम संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी, भाजपा संगठन ने झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ में ऐसे युवाओं, अनुभवी नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी है, जो लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। इससे पार्टी की संगठनात्मक संरचना को मजबूती मिलने के साथ ही झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में जनसंपर्क और जनहित कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है, पार्टी नेताओं का कहना है कि झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, इसके साथ ही शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद वर्गों तक सरकार की योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचाने का कार्य भी करेंगे।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग कार्या. - 225059

राजनांदगांव वनमंडल राजनांदगांव

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, राजनांदगांव वन मण्डल के डिपो में उपलब्ध ईमारती / जलाऊ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / वन काष्ठागार, अछोली से प्राप्त की जा सकती है।

अछोली काष्ठागार,नीलाम दिनांक - 18.03.2026 समय - प्रातः 9.00 बजे

काष्ठागार का नाम - अछोली, वनमण्डल - राजनांदगांव

क्र.	प्रजाति	नये वनोपज			पुराने वनोपज			योग		
		ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1.	सागौन	56.000	150	250	115.938	115	6545	171.938	265	6795
2.	बीजा	25.000	-	-	59.243	35	-	84.243	35	-
3.	तिन्सा	1.000	-	-	-	48	35	1.000	48	35
4.	साजा	8.000	-	-	1.187	38	-	9.187	38	-
5.	ह.मु.ख.	1.000	-	-	-	-	-	1.000	-	-
6.	धावड़ा	2.000	-	-	-	-	-	2.000	-	-
7.	कसही	-	-	-	15.679	-	-	15.679	-	-
8.	अन्य	15.000	500	-	28.644	706	-	43.644	1206	-
	योग	108.000	650	250	220.691	942	6580	328.691	1592	6830
	1) अछोली डिपो के नये 180 जलाऊ चट्टा				2) अछोली डिपो के अविक्रित 13 जलाऊ चट्टा					
	3) घुमका डिपो के नये लाट मिश्रित प्रजाति 72 घ.मी. एवं 103 नग डेंगरी				4) बम्लेश्वरी डिपो के नये लाट औद्योगिक बांस 02 मीटर – 230 नो.टन 01 मीटर – 65 नो.टन					

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है ।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

जी नंबर-252607074/4

वनमण्डलाधिकारी,
राजनांदगांव वन मण्डल राजनांदगांव

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0/...../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुबासनी विश्वकर्मा (शर्मा) पिता स्व. जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा (शर्मा) पति संजय विश्वकर्मा,उम्र 47 वर्ष,जाति लोहार,निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के पिता जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 10 मोहल्ला दर्रीपारा स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3940/4 रकबा 0.05 एकड़ भूमि है। जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 25.05.2019 को हो गई है जिस कारण उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर फौति नामांतरण के आधार पर स्वयं के नाम से उक्त भूखण्ड का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ अपत पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 02/2/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी अंबिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कृष्णा कुमार पैंकरा पिता कमल साय पैंकरा जाति कंवर निवासी हरगांवा तहसील शंकरगढ़ जिला बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 248/4 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 18/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर**

CMYK

डिप्टी रेंजर के घर के सामने से गुजर रही लकड़ी,लेकिन वन विभाग को दिख रही सिर्फ हरियाली!

वन विभाग की 'आरामदायक गश्त', माफिया की तेज आरी-खड़गवां के जंगलों पर संकट

वनों की अवैध कटाई:वन अमले ने दे रखी है खुली छूट,हरियाली पर चल रही है खुलेआम आरी

गश्त का नाम,लेकिन जंगल में सन्नाटा

वन क्षेत्र में नियमित गश्त होना वन विभाग की जिम्मेदारी होती है,लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि कई इलाकों में गश्त शायद कागजों में ही होती है, अगर वास्तव में नियमित गश्त हो रही होती तो इतनी बड़ी मात्रा में पेड़ काटना और लकड़ी का परिवहन करना संभव ही नहीं होता, स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगलों में कई ऐसे रास्ते बन चुके हैं जिनसे लकड़ी आसानी से बाहर ले जाई जा रही है, यह रास्ते अचानक नहीं बनते – इसके लिए समय, मशीनें और लोगों की जानकारी की जरूरत होती है।

वन माफिया के हौसले बुलंद

जब निगरानी कमजोर हो जाती है तो अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिलना स्वाभाविक है,खड़गवां में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है,लकड़ी माफिया अब इतने बेखौफ हो चुके हैं कि उन्हें न तो दिन का डर है और न ही प्रशासन का, ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जंगल से रात में ट्रैक्टरों की आवाजें साफ सुनाई देती हैं,लेकिन शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती।

पर्यावरण पर गंभीर खतरा

वनों की कटाई केवल लकड़ी की चोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा है,सागौन और साल जैसे पेड़ न केवल जंगल की जैव विविधता को बनाए रखते हैं,बल्कि भूजल स्तर और जलवायु संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,अगर इसी तरह पेड़ों की कटाई जारी रही तो आने वाले समय में क्षेत्र में जल संकट और तापमान वृद्धि जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

पर्यावरण प्रेमियों की चिंता

स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है,उनका कहना है कि अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो खड़गवां के जंगल केवल नक्शों और सरकारी रिपोर्टों में ही बचकर रह जाएंगे।

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)। खड़गवां वन परिक्षेत्र इन दिनों एक अजीब तरह की 'हरी-भरी त्रासदी' का गवाह बनता जा रहा है,जहां कभी घने जंगल, सागौन और साल के विशाल पेड़ हवा के साथ झूमते थे,वहीं अब आरी की तीखी आवाजें जंगल की खामोशी को चीरती सुनाई दे रही हैं, ग्रामीणों के अनुसार यह कोई छिपी हुई गतिविधि नहीं है, बल्कि एक ऐसा 'खुला खेल' है जिसे दिन के उजाले में भी अंजाम दिया जा रहा है, फर्क बस इतना है कि इस खेल में खिलाड़ी लकड़ी माफिया हैं और दर्शक बने बैठे हैं वन विभाग के जिम्मेदार लोग।

प्रशासन की परीक्षा

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेगा या फिर यह मामला भी बाकी शिकायतों की तरह फाइलों में दब जाएगा? क्या वन विभाग सचमुच जंगलों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा, या फिर लकड़ी माफिया इसी तरह जंगलों को उजाड़ते रहेंगे? खड़गवां के जंगल आज भी खामोश हैं, लेकिन उनकी खामोशी बहुत कुछ कह रही है, अगर समय रहते इस खामोशी को नहीं सुना गया,तो शायद आने वाली पीढ़ियां यह पूछेंगी कि जब जंगल कट रहे थे,तब जंगल की रक्षा करने वाले लोग आखिर कर क्या रहे थे।

डिप्टी रेंजर के घर के सामने से गुजर रही लकड़ी

ग्रामीणों का कहना है कि स्थिति इतनी विचित्र हो चुकी है कि लकड़ी से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली और बड़े ट्रक दिन दहाड़े निकलते हैं और वह भी वन विभाग के डिप्टी रेंजर के आवास के सामने से, अब सवाल यह उठता है कि अगर इतनी बड़ी मात्रा में लकड़ी खुलेआम परिवहन हो रही है, तो क्या वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नजरें उस समय छुट्टी पर चली जाती हैं? ग्रामीणों का तंज है कि शायद जंगल की रक्षा के लिए बनाए गए नियम और गश्त के आदेश भी अब फाइलों के जंगल में खो गए हैं।

हरियाली का 'सिस्टमेटिक सफाया'

खड़गवां वन क्षेत्र में सागौन, साल और अन्य बहुमूल्य प्रजातियों के पेड़ बड़ी तेजी से काटे जा रहे हैं,ये वही पेड़ हैं जिनकी एक-एक लकड़ी बाजार में हजारों रुपये की कीमत रखती है, ग्रामीणों का कहना है कि पहले चोरी-छिपे पेड़ काटे जाते थे,लेकिन अब यह काम इतने व्यवस्थित तरीके से हो रहा है कि मानो जंगल किसी ठेके पर दे दिया गया हो,कई स्थानों पर तो एक ही रात में दर्जनों पेड़ काट दिए जाते हैं और सुबह तक उनके ठूंठ ही जमीन पर रह जाते हैं,जंगल के बीचों-बीच पड़े ये ठूंठ इस बात की गवाही देते हैं कि हरियाली पर किस तरह बेरहमी से आरी चलाई जा रही है।

वन विभाग की 'औपचारिक कार्रवाई'

जब भी इस मामले पर सवाल उठते हैं तो विभागीय कार्रवाई की कहानी सामने आ जाती है,कभी-कभी किसी छोटे वाहन से कुछ लकड़ियां पकड़ ली जाती हैं,किसी मजदूर को पकड़कर मामला दर्ज कर लिया जाता है, और फिर विभाग अपनी 'सक्रियता' का ढोल पीट देता है,लेकिन असली सवाल यह है कि जो बड़े पैमाने पर कटाई और परिवहन हो रहा है,उसके पीछे के असली सरगना कौन हैं? ग्रामीणों का कहना है कि छोटे लोगों पर कार्रवाई कर देने से असली खेल खत्म नहीं होता,बल्कि वह और मजबूत हो जाता है।

शिकायतें बहुत...कार्यवाही कम...

स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार इस मामले की मौखिक शिकायत वन विभाग के अधिकारियों से की गई है,लेकिन हर बार जवाब लगभग एक जैसा ही मिलता है – देखते हैं,जांच करेंगे,गश्त बढ़ाई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि इन आश्वासनों की उम्र उतनी ही होती है जितनी देर में जंगल से लकड़ी लदी ट्रॉली सड़क पार कर जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डीआईजी व एसएसपी ने महिला पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सूरजपुर पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया,इस मौके पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाइन सहित विभिन्न स्थानों पर तैनात महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून, चिकित्सा सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर समाज को नई दिशा दे रही हैं, उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करने और उनके योगदान को रेखांकित करने का अवसर है, इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना-चौकियों में पदस्थ महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को भी थाना-चौकी प्रभारियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीआईजी व एसएसपी के निर्देश पर पुलिस लाइन सूरजपुर में महिला कर्मचारियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, प्रतियोगिता में महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में महिला आरक्षक झमिता वरकरे और अंजली टोप्पो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जलेबी दौड़ में एएसआई बबीता यादव, प्रधान आरक्षक अल्का टोप्पो और महिला आरक्षक नीलम भगत ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं गिलास निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिला आरक्षक चिंता पैंकरा, देशमती और चंदा भास्कर विजेता रहीं। चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में महिला आरक्षक नीलम भगत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और प्रतियोगिताओं में रेफरी की भूमिका रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी ने निभाई, इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी सहित कई महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिलाओं के योगदान को बताया अमूल्य

इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने महिला कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर पुलिस और सेना तक हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके जज्बे एवं समर्पण की जितनी प्रशंसा की जाए कम है, उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। महिला सशक्तिकरण एक मजबूत और समृद्ध समाज के निर्माण की आधारशिला है।

संबोधन संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर श्रीमती इन्द्रा सेंगर को किया सम्मानित

शिक्षा और स्वावलंबन की प्रतीक इन्द्रा सेंगर को संबोधन अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान 2026

मनेंद्रगढ़ में महिला दिवस पर भव्य सम्मान समारोह,इन्द्रा सेंगर की शिक्षा सेवा को मिला सम्मान

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,10 मार्च 2026 (घटती-घटना)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संबोधन साहित्य एवं कला विकास संस्थान, मनेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती इन्द्रा सेंगर को संबोधन अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन निदान सभागार में किया गया,जहां साहित्यकारों,कलाकारों,शिक्षाविदों और पत्रकारों की गरिमामय उपस्थिति में यह सम्मान समारोह संपन्न हुआ,संस्था के अध्यक्ष अनिल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमती इन्द्रा सेंगर मनेंद्रगढ़ अंचल में सशक्त परिकल्पना और स्वावलंबन की प्रतीक हैं, उन्होंने कहा कि उनके द्वारा संचालित विजय इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना ने इस क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को नई दिशा दी है और आज मनेंद्रगढ़ में कई अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की स्थापना उनकी प्रेरणा से संभव हुई है,अनिल जैन ने बताया कि इस विद्यालय के विद्यार्थी पिछले तीन वर्षों से लगातार छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षाओं में टॉप-10 प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर रहे हैं, जिससे न केवल विद्यालय बल्कि पूरा मनेंद्रगढ़ नगर गौरवान्वित हुआ है,कार्यक्रम के दूसरे चरण में रंग पंचमी के अवसर पर संबोधन संस्था और वनमाली सृजन केंद्र द्वारा होली के रंग गीतों के संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गायक कलाकार नरोत्तम शर्मा, शैलेश जैन और गौतम शर्मा ने गीतों की प्रस्तुति देकर होली के रंगों का उल्लासपूर्ण वातावरण बना दिया, कार्यक्रम का संचालन साहित्यकार राजेश जैन ने किया, इस अवसर पर साहित्यकार श्याम सुंदर निगम, श्रवण कुमार उर्मलिया,वीरेन्द्र श्रीवास्तव, कल्याणचंद केसरी,सतीश उपाध्याय,पुष्कर तिवारी, सुषमा श्रीवास्तव,ज्योति श्रीवास्तव और

प्रमोद बंसल सहित अन्य साहित्यकारों की कविताओं और प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में समां बांध दिया,देर शाम तक चले इस आयोजन में प्राचार्य जसपाल सिंह, संजय सेंगर,राजकुमार पांडे, निरंजन मित्तल, विजय गुप्ता, परमेश्वर सिंह, डॉ. निशांत श्रीवास्तव, पत्रकार विनय पांडे और राजेश सिन्हा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे,कार्यक्रम ने शिक्षा, साहित्य और सांस्कृतिक समन्वय का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विचार मंच विभागाध्यक्ष वीरेन्द्र श्रीवास्तव ने श्रीमती इन्द्रा सेंगर का परिचय देते हुए बताया कि वर्ष 1984 में अंग्रेजी माध्यम विद्यालय स्थापित करने की परिकल्पना उनकी दूरदर्शिता का परिचायक थी, उस समय उन्होंने यह महसूस किया कि नगर के विकास के साथ छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा आवश्यक है, विद्यालय की 42 वर्षों की सतत यात्रा और आज 85 वर्ष की आयु में भी उनकी सक्रिय सोच और प्रेरणा ने मनेंद्रगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाई है।

उन्होंने यह भी बताया कि श्रीमती इन्द्रा सेंगर ने शिक्षा के साथ-साथ साहित्य और कला के क्षेत्र में भी कलाकारों एवं साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है,शिक्षा और साहित्य विकास के क्षेत्र में लगभग 48 वर्षों से कार्य कर रही संस्था 'संबोधन' उनके योगदान को सम्मानित करते हुए गर्व का अनुभव कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रवण कुमार उर्मलिया उपस्थित रहे। वहीं महिला साहित्यकार वर्षा श्रीवास्तव, सुषमा श्रीवास्तव और ज्योति श्रीवास्तव ने श्रीमती इन्द्रा सेंगर को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र और शिक्षा का प्रतीक कलम भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्रीमती इन्द्रा सेंगर ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के आयोजन आगे भी होते रहने की कामना की।

CMYK

एआई पूरी जनरेशन को बर्बाद कर सकता है बच्चों को सिखाएं नहीं, करके दिखाए : दीया मिर्जा

दीया मिर्जा देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण के विषयों पर खुलकर बोलती रही हैं। दीया ने बताया कि उन्होंने अपने बच्चों समायरा और अव्यान को पर्यावरण संरक्षण सिखाया नहीं है, बल्कि करके दिखाया है। दीया बताती हैं कि उनका 5 साल का बेटा भी इस बात को बखूबी समझता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना है और क्यों नहीं करना है। वह आज की Gen Z पीढ़ी को 'भावुक, लेकिन समझदार' मानती हैं। 'रहना है तेरे दिल में' फेम एक्ट्रेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों के प्रति भी सचेत करती हैं। हैदराबाद में पैदा हुईं 44 साल की दीया तर्क देती हैं कि कैसे एआई एक पूरी जनरेशन की सोच को बर्बाद कर सकता है और कर रहा है। दीया मिर्जा अपने बेटे अव्यान को लेकर वह कहती हैं, 'मेरा बच्चा जानता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक अच्छी नहीं है। हाल ही में मेरा बेटा किसी बच्चे की बर्थडे पार्टी में गया था, उन्होंने ढेर सारे प्लास्टिक के गुब्बारे लगाए हुए थे। बाघ के रूप वाला एक प्लास्टिक का गुब्बारा लगा हुआ था, जो वो दिखा रहा था। वहीं मौजूद होस्ट ने कहा कि बेटा आप ले जाओ, तो उसने तुरंत कहा, 'अंकल ये प्लास्टिक का बना हुआ है, मैं इसे लेकर नहीं जाऊंगा। तो मेरे लिए ये एक छोटी सी जीत है। इतने छोटे बच्चे को इस बात का ख्याल और समझ है, क्योंकि उसको आसान तरीके से समझाया गया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, तो वो उसे प्रयोग ना करे।'

मेरी चॉइस और एक्शन, उसे खुद बताते हैं कि उसे क्या चुनना चाहिए...

जब दीया से पूछा गया कि वह बच्चों को प्रकृति से प्रेम करना कैसे सिखाती हैं? तो जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं अपने बच्चे को कुछ सिखा नहीं सकती, बस करके दिखा सकती हूं। मेरी चॉइस और मेरा एक्शन, उसे खुद बताते हैं कि उसे क्या चुनना चाहिए और उसका क्या करना सही होगा।'

खाना खाने के बाद भगवान और किसान को थैंक यू कहता है...

दीया मिर्जा आगे बताती हैं, 'वो देखता है कि मैं पागलों की तरह हर जगह अपना वैक्यूम बोतल साथ लेकर पहुंच जाती हूं। उसे पता है कि हमारे घर में जो सारा कचरा जमा होता है उससे घर में कम्पोस्ट बनता है और उसका प्रयोग किया जाता है। उसे पता है कि अगर कोई चीज टूट जाती है, तो उसे ठीक किया जा सकता है। खाना खाने के बाद वह भगवान और किसान को धन्यवाद कहता है। ये ही नहीं जिसने उसका खाना बनाया है उसे भी थैंक्यू बोलता है। तो उसे ये सब आता है।'

एआई एक पूरी जनरेशन को बर्बाद कर सकता है...

आज एआई को लेकर खूब चर्चा होती है। क्या एआई पर्यावरण संरक्षण में कोई अहम रोल निभा सकता है? इस बारे में वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि सोशल इम्पेक्ट में एआई अच्छा रोल अदा कर सकता है, अगर उसे जिम्मेदारी के साथ प्रयोग किया जाए। क्योंकि हम देख रहे हैं कि एआई को किस गैर जिम्मेदारी के साथ प्रयोग किया जा रहा है। मेरी चिंता ये भी है कि एआई कैसे एक पूरी पीढ़ी को बर्बाद कर देगा। बच्चे उसका वैसा प्रयोग नहीं कर रहे हैं, जैसा आप और हम करते हैं। एआई हर जवाब, हर चीज एक सेकेंड में बनाकर दे देता है। ऐसे में वह कैसे खुद के दिमाग से कुछ सीखेंगे। वह खुद से सोचने की क्षमता को खो सकते हैं।'

एआई से बनाई मेरी फोटो देखकर दहशत में आ गई थी...

एआई के खतरों के बारे में दीया मिर्जा एक पर्सनल घटना के बारे में भी बताती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे किसी ने मेरे फोटोज भेजे, जो मैंने खुद आजतक नहीं देखे, जो मेरे साथ कभी शूट ही नहीं हुए। उन्होंने बेसिकली मेरा चेहरा, किसी और की बॉडी पर लगा दिया था। एक पूरी छवि क्रिएट की। जिसे देखकर मेरे दिल में दहशत पैदा हो गई। ये बहुत खतरनाक है। हमें इसको लेकर कानून बनाने की जरूरत है, ऐसा कानून जो एआई से हमारी प्राइवेसी और हमारी पहचान को सुरक्षित कर सके। क्योंकि एआई कुछ भी कर सकता है हमारी आवाज, शेप और पूरी पहचान को चुरा सकता है। तो ये एक बहुत बड़ी समस्या है।'

एआई का हमारे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा...

दीया इस मुद्दे पर आगे बेहद गंभीर बात कहती हैं। वह बोलीं, 'इसका हमारे पर्यावरण पर भी असर पड़ेगा। एआई के जो स्टोरेज सर्वर हैं, वो कितना ज्यादा पानी प्रयोग करते हैं। हमारा देश जो पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा है, उसमें अगर हम एआई के हब्स बनाने की बात सोच रहे हैं और सर्वर क्रिएट करने की बात करते हैं तो ये सब करने के लिए पानी कहां से आने वाला है? ये बहुत बड़ी चिंता की बात है। मेरा मानना है कि अगर हम साफ पानी, साफ हवा और हेल्दी फूड नहीं दे सकते हैं तो हमें इस मामले में आगे नहीं बढ़ना चाहिए।'

Gen Z बहुत भावुक और समझदार पीढ़ी है...

आज के दौर में Gen Z को लेकर काफी चर्चा होती है। कोई इस पीढ़ी को तेज दिमाग का बताता है तो कोई मिलेनियल्स के मुकाबले कमजोर कहता है। इस जनरेशन के बारे में दीया मिर्जा का क्या सोचना है? वह थोड़ी देर हंसती हैं, फिर कहती हैं, 'Gen Zzzzz....ये जनरेशन बहुत इंटरेस्टिंग है, बहुत भावुक पीढ़ी है, बहुत जल्दी अपनी भावना का समर्थन भी करते हैं, जो कि बहुत अच्छी बात है। क्योंकि मेंटल हेल्थ और इमोशन को लेकर उनकी समझ हमसे ज्यादा अच्छी है। मैंने ऐसे बहुत से Gen Z के साथ इंट्रैक्ट किया है, जो सॉल्यूशन को ढूंढने और समस्या को सुलझाने के लिए बहुत कमिटेड हैं। लेकिन ऐसे भी Gen Z हैं, जो शॉर्टकट चाहते हैं, सब कुछ फटाफट चाहते हैं और जिसमें उन्हें बहुत जद्दोजहद नहीं करनी पड़े, उस काम को करने पर जोर देते हैं। उनमें किसी चीज को भी लेकर संयम नहीं है। (हंसते हुए) मेरे एक बच्चा Gen Z है और एक Alpha जनरेशन से है।'

समझ भले कम थी, लेकिन जुनून बहुत ज्यादा था : संदीपा धर

हाल ही में अभिनेत्री संदीपा धर ने अपने सफर, चुनौतियों को लेकर विचार साझा किए। संदीपा ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि इंडस्ट्री की समझ भले कम थी, लेकिन जुनून बहुत ज्यादा था। पहली ही फिल्म में मिली पहचान और अवॉर्ड नॉमिनेशन ने उन्हें आत्मविश्वास तो दिया, पर साथ ही जिम्मेदारी का अहसास भी कराया। उन्होंने कहा कि समय के साथ उन्होंने जाना कि हर मौका बड़ा नहीं होता, लेकिन हर मौका महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि कई प्रोजेक्ट्स में उनका स्क्रीन टाइम भले ही कम रहा हो, लेकिन उनका मानना है कि किरदार की गहराई और ईमानदारी ही दर्शकों पर असर डालती है। यही विश्वास उन्हें हर काम को बराबर गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। संदीपा के अनुसार, अभिनेता की प्रस्तुति ही तय करती है कि भूमिका छोटी कहलाएगी या प्रभावी बनेगी। बातचीत के दौरान संदीपा ने इंडस्ट्री में मौजूद प्रतिस्पर्धा और लगातार होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि कई कलाकारों की तरह उन्होंने भी ऐसे दौर देखे, जब बाहरी दबाव और लगातार मिलने वाली सलाह–बेहतर दिखने, बदलने, परफेक्ट रहने की से आत्मविश्वास प्रभावित होता है। लेकिन इस प्रक्रिया ने उन्हें सिखाया कि बाहरी मान्यता से ज्यादा जरूरी आत्म-स्वीकृति है। उनके अनुसार, सोशल मीडिया, फिटनेस और इमेज को लेकर बढ़ता दबाव कलाकारों के लिए अक्सर मानसिक चुनौती बन जाता है। संदीपा ने आगे डांस को अपने जीवन का अहम हिस्सा बताया।

अभिषेक चौबे संग बलिया पर फिल्म बनाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

हाल ही में अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने खुलासा किया कि वे अपने करीबी दोस्त और फिल्मकार अभिषेक चौबे के साथ मिलकर एक ऐसी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसकी कहानी पूरी तरह उनके होमटाउन बलिया पर आधारित होगी। यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपने जीवन, जड़ों और यादों से जुड़ी भावनाओं का सिनेमाई विस्तार है। सिद्धांत चतुर्वेदी ने गली बॉय से बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें तुरंत दर्शकों के बीच एक मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने गहराइयाँ, खो गए हम कहाँ और धड़क 2 जैसी फिल्मों में बेहद अलग और लेयर्ड भूमिकाएँ निभाई, जिसमें उनकी पसंद और अभिनय की गहराई साफ दिखाई दी। हर फिल्म में कुछ नया करने की उनकी कोशिश ने उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया, जो केवल स्टारडम के पीछे नहीं, बल्कि कहानियों की सच्चाई और भावनात्मक ईमानदारी को प्राथमिकता देते हैं।

श्रद्धा-वरुण के बचपन की कहानी है बेहद दिलचस्प

एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि जब वह केवल 8 साल की थीं, तब उन्होंने वरुण को प्रपोज किया था। दोनों अपने-अपने पिता के साथ एक फिल्म के सेट पर गए थे। वहां खेलने के दौरान वे एक छोटी पहाड़ी पर चढ़ गए और इसी मासूमियत भरे माहौल में श्रद्धा ने वरुण के सामने अपना दिल खोल दिया। श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी हमेशा पसंद की जाती रही है, लेकिन इन दोनों की बचपन की एक कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने वरुण को प्रपोज करने के लिए एक मजेदार तरीका निकाला। उन्होंने कहा कि वह कुछ उल्टा बोलेंगी और वरुण को उसे समझना होगा। श्रद्धा ने मजाक में कहा 'यू लव आई' जो उल्टा पढ़ने पर 'आई लव यू' होता है। इस पर छोटे वरुण घबरा गए और बोले, 'मुझे लड़कियां पसंद नहीं हैं,' और तुरंत वहां से दौड़कर भाग गए। श्रद्धा ने यह किस्सा एक यूट्यूब इंटरव्यू में हंसते हुए साझा किया था। बड़े होकर दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। दोनों ने एबीसीडी 2, स्ट्रीट डांसर 3डी में शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके अलावा, वे स्त्री 2 में भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। 2011 में वह लव का द एंड में दिखाई दीं, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 से। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता आदित्य रॉय कपूर थे। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और श्रद्धा को कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर ने गायक राहुल जयकर की भूमिका निभाई थी, जो शराब की लत के कारण अपना करियर खो देता है, जबकि श्रद्धा ने आरोही शिरके का किरदार निभाया, जो उनकी मदद से एक सफल सिंगर बनती है। इसके बाद श्रद्धा ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें एक विलेन, बागी, हाफ गर्लफ्रेंड, स्त्री, छिछोरे, और तू झूठी मैं मक्कार शामिल हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हुए बड़ी हिट साबित हुई।

विदेश से नहीं करता शॉपिंग, पत्नी और बेटा करते हैं ट्रिप प्लान, मैं चल देता हूं : इमरान हाशमी

इमरान हाशमी ने पिछले कुछ सालों में अपने करियर में एक बड़ा बदलाव किया है। रोमांटिक हीरो से हटकर अब वह कई मीनिंगफुल गंभीर किरदारों में नजर आ रहे हैं। वहीं इमरान निजी जिंदगी में एक जिम्मेदार पिता और पति के रोल को भी बखूबी निभा रहे हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज तस्करी: द स्मगलर्स वेब को लेकर।

मुझे कुछ नहीं करना पड़ता घूमने के लिए : इमरान को अपने परिवार के साथ समय बिताना और घूमना-फिरना काफी अच्छा लगता है लेकिन उनका कहना है कि वह जब घूमने निकलते हैं तो उन्हें किसी तरह की कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती है। वह अपने ट्रैवल प्लान किस तरह से तैयार करते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'दरअसल, मैं घूमने के लिए कभी भी ट्रैवल प्लान नहीं करता हूं। मैं बस बैग पैक करके निकल जाता हूं। मेरी जो घूमने की प्लानिंग होती है वो मेरी वाइफ करती हैं और अब मेरे बेटे ने भी करना शुरू कर दिया है। आमतौर पर किस शहर में घूमने जाना है, इसका सिलेक्शन मेरी पत्नी करती हैं, और किन रेस्तरां में खाना है, उसका चुनाव मेरा बेटा करने लगा है। मैं बस उनके प्लान के हिसाब से घूमने निकल जाता हूं।'

विदेश में शॉपिंग नहीं करता...

फिल्मी करियर होने की वजह से इमरान को काफी ट्रैवल करना होता है, जिसके लिए उन्हें एयरपोर्ट जाना होता है। इमरान का कहना है कि वह जब विदेश में जब जाते हैं, तो शॉपिंग ज्यादा नहीं करते। वहीं उन्होंने पॉवरबैंक के जाने को लेकर भी अपनी पुरानी फिक्र पर बात की। वह कहते हैं, 'पहले पॉवरबैंक को लेकर कुछ घटनाएं हुई थीं, तब मुझे हमेशा एयरपोर्ट जाते हुए ये चीज रहती थी कि पॉवरबैंक आखिर रखूं कहां, हैंड बैग में रखूं या सूटकेस में। मैं जब विदेश होता हूं तो वहां बहुत ज्यादा शॉपिंग नहीं करता हूं। मैं मुंबई में ही ऑनलाइन शॉपिंग कर लेता हूं। तो विदेश से कुछ लाकर एयरपोर्ट पर किसी तरह की रुकावट की फिक्र मुझे नहीं रहती है।

बच्चे के लिए हेलीकॉप्टर पैरंट्स न बनें...

आज के दौर में जब बच्चों की अच्छी परवरिश पैरंट्स के लिए चुनौती बनती जा रही है, ऐसे में इमरान इस जिम्मेदारी को किस तरह देखते हैं? वह कहते हैं, 'पेरेंटिंग एक बहुत पेचीदा चीज होती है। हम सब उस चीज से जूझ रहे हैं। हम गलतियां करते हैं, फिर उसे सुधारने की कोशिश करते हैं। आजकल सोशल मीडिया एक बड़ी प्रॉब्लम बन रहा है, तो कैसे बच्चे पर नजर रखें, काम और खेल के बीच संतुलन बनाना, वो सब चीजें जरूरी हैं। हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग एक टर्म है, जिससे बचके बच्चों को आजादी भी देनी है, ताकि वो खुद भी निर्णय ले सके। उसी समय आपको एक स्ट्रीकनेस भी रखनी है, लेकिन अच्छी पेरेंटिंग जैसे विषय को कुछ शब्दों में नहीं सिमटा सकते।'

खेल समाचार

क्रिकेटर कुलदीप यादव वंशिका संग मसूरी में 7 फेरे लेंगे

14 मार्च को शादी, 17 को लखनऊ में रिसेप्शन

कानपुर, 10 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के फिरकी गेंदबाज कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी। इस बीच, सोमवार को कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में सीएम योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे। पहले दोनों शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन भारतीय टीम के व्यस्त शेड्यूल और टी20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं।

कुलदीप के कोच और पारिवारिक मित्र कपिल देव पांडेय ने बताया

शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे। कुलदीप टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए अब तक 191 मैच खेले हैं। उन्होंने 22.50 के एवरेज और 4.84 की इकोनॉमी रेट से 365 विकेट झटके हैं। 31 साल के कुलदीप ने 9 मौकों पर पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

भारतीय टीम को 131 करोड़ देगा बीसीसीआई

बोर्ड ने खिलाड़ियों, स्टाफ और सिलेक्टर्स को बधाई दी, तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बना भारत

नई दिल्ली, 10 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह खिताब अपने नाम किया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को हराया और ट्रॉफी जीत ली। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, स्टाफ और सिलेक्टर्स को बधाई दी : बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं। बीसीसीआई की ओर से यह बड़ा इनाम टीम की निरंतरता और दबदबे को देखते हुए दिया गया है। भारत दुनिया की पहली ऐसी टीम बनी है जिसने लगातार दो बार (2024 और 2026) टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है। बोर्ड के अधिकारियों का मानना है कि घरेलू मैदान पर खिताब डिफेंड करना एक बड़ी उपलब्धि है, इसलिए खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए यह राशि बढ़ाई गई है।

सूर्या का 500 साल पुरानी बावड़ी में फोटोशूट

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों के जश्न के अलग-अलग अंदाज देखने को मिले। कप्तान सूर्यकुमार यादव गुजरात के गांधीनगर स्थित 500 साल पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी अडालज नी वाव में ट्रॉफी के साथ फोटोशूट करते नजर आए।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले-बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

नई दिल्ली, 10 मार्च 2026। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

नई दिल्ली, 10 मार्च 2026। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए।

सदन में 'मुसवा' के नाम पर हंगामा

30 विधायक सस्पेंड किए गए...

अतिक्रमण पर मंत्री केदार के जवाब से विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर,10 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को धान खरीदी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी दल ने 'मुसवा' के नाम पर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि 2024-25 सीजन में किसानों से खरीदे गए बड़ी मात्रा में धान को चूहों ने खा लिया, कुछ धान भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया या रखरखाव के कारण खराब हो गया। कांग्रेस ने दावा किया कि इससे राज्य को करीब 8500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। हंगामे के दौरान कांग्रेस के 30 विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिसे बाद में वापस ले लिया गया। वहीं, सदन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। उन्होंने अवैध कब्जा करने वाले आरोपियों पर एक्शन और सख्त नियम बनाने की मांग की। मंत्री केदार कश्यप ने इस मुद्दे पर जवाब दिया लेकिन विपक्ष इससे असतुष्ट नजर आया।

शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष ने उठाया मुद्दा

शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने कहा कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के उचित भंडारण और सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने बताया कि 2024-25 के खरीफ विपणन सीजन में 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था, जिसमें से विभाग की सिटीजन रिपोर्ट के अनुसार 22.71 लाख क्विंटल धान का अब तक निपटान नहीं हुआ है। महंत ने आरोप लगाया कि यह धान अब फेयर एवरेज क्वालिटी का नहीं रहा और इसे चूहों ने खा लिया, भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया या खराब भंडारण और रखरखाव के कारण यह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि मार्कफेड के भंडारण केंद्रों से 16.03 लाख क्विंटल और खरीदी केंद्रों से 6.67 लाख क्विंटल धान गायब बताया जा रहा है।

मंत्री दयालदास बघेल ने आरोपों को बताया गलत

आरोपों पर जवाब देते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि धान खरीदी योजना में कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार के कारण राज्य को भारी नुकसान होने का दावा गलत है। उन्होंने बताया कि 2024-25 के खरीफ विपणन सीजन में राज्य ने 25 .49 लाख किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 149 .25 लाख टन धान खरीदा। इसके लिए किसानों को रूक्के के रूप में 34,349 करोड़ रुपए और कृषक उन्नति योजना के तहत 11,928 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इस तरह किसानों को कुल 46,277 करोड़ रुपए दिए गए। मंत्री ने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था के तहत बोनस सहित प्रति क्विंटल 3100 रुपए की कीमत देने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है। उन्होंने बताया कि 2024-25 सीजन में खरीदे गए धान के निपटान की अंतिम तारीख 30 अप्रैल 2026 तय की गई है और प्रक्रिया जारी है।

चूहे ने धान खाया,मंत्री ने ये आरोप खारिज किया

मंत्री बघेल के मुताबिक,18 .36 लाख टन अतिरिक्त धान का ऑनलाइन नीलामी के जरिए निपटान किया जा चुका है,जबकि करीब 1 .60 लाख टन धान भंडारण केंद्रों और 67 हजार टन धान खरीदी केंद्रों में मौजूद है,जो कुल खरीदी का तीन प्रतिशत से भी कम है। दयालदास बघेल ने इस आरोप को भी खारिज किया कि धान को चूहों ने खा लिया या भ्रष्ट अधिकारियों ने बेच दिया। उन्होंने कहा कि धान को सुरक्षित रखने के लिए कवर और कीट नियंत्रण जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने बताया कि 2739 खरीदी केंद्रों में से 2728 केंद्रों पर स्टॉक का सत्यापन पूरा हो चुका है और बाकी 11 केंद्रों पर प्रक्रिया जारी है। भंडारण में नुकसान को लेकर 78 भंडारण केंद्र प्रभारियों और जिला मार्केटिंग अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। दो भंडारण केंद्र प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और दो अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है।

नेशनल हेराल्ड को 5 साल में 4 .24 करोड़,नवसृजन को कोई भुगतान नहीं

छत्तीसगढ़ विधानसभा में भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने नेशनल हेराल्ड, संडे नवजीवन और नवसृजन मैगजीन को पिछले सालों में विज्ञापन राशि के बारे में सवाल किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नेशनल हेराल्ड को पिछले पांच सालों में कुल 4 .24 करोड़ रुपए का विज्ञापन मिला, नवसृजन को कोई भुगतान नहीं किया गया और संडे नवजीवन को 3 .06 करोड़ रुपए का विज्ञापन मिला।

12 मार्च को सभी भाजपा कार्यालयों का घेराव करेगी कांग्रेस

दुर्ग में अफीम खेती को लेकर विरोध

रायपुर,10 मार्च 2026। दुर्ग जिले के समोदा गांव में अवैध अफीम खेती को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने 12 मार्च को प्रदेशभर के भाजपा जिला कार्यालयों के घेराव करने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि, भाजपा के संरक्षण में प्रदेश में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। पार्टी से जुड़े नेता आरोपियों को बचाने में लगे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, इस मामले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकर की भूमिका गंभीर है,लेकिन उसे मुख्य आरोपी बनाने के बजाय सह-अभियुक्त बनाया गया है। जिस व्यक्ति को सिर्फ निलंबित किया गया है, उसे पार्टी से तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। पूरे मामले में जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा कार्यालयों के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। दरअसल, दुर्ग जिले के समोदा गांव में अवैध तरीके से पिछले करीब 5 साल से अफीम की खेती की जा रही थी, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।

6 मार्च 2026 को मामला तब सामने आया, जब गांव के कुछ बच्चों को खेत में अजीब तरह के पौधे मिले। बच्चों ने इसकी तस्वीर इंटरनेट पर सर्च की,तो पता चला कि यह अफीम का पौधा है। इसके बाद पूरे गांव में चर्चा शुरू हो गई और मामला प्रशासन तक पहुंच गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भाजपा नेता विनायक ताम्रकर को गिरफ्तार किया और खेत से करीब 8 करोड़ रुपए कीमत के अफीम के पौधे जब्त किए।

गांव में विनायक ताम्रकर का था दबदबा : ग्रामीण

इस मामले में ग्रामीणों ने भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं। गांव की महिलाओं का कहना है कि, विनायक ताम्रकर का गांव में इतना दबदबा था कि बिना उनकी अनुमति के कोई भी उनके खेतों के आसपास जाने की हिम्मत नहीं करता था। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि, गांव में अगर किसी की मौत भी हो जाती थी, तो अंतिम संस्कार के लिए शव को श्मशान ले जाने से पहले भी ताम्रकर की अनुमति लेनी पड़ती थी। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि गांव के सरकारी शौचालय तक पर उनका कब्जा था। बिना उनकी मर्जी के वहां जाना भी मुश्किल था।

फार्महाउस चारों तरफ से बंद,अंदर चल रही थी खेती

गांव के निवासी का कहना है कि, जिस जगह अफीम की खेती की जा रही थी, वहां चारों तरफ गेट लगाए गए थे। इस कारण आम लोगों का वहां जाना लगभग असंभव था। ग्रामीणों का कहना है कि, गांव के अधिकतर लोगों ने पहले कभी अफीम का पौधा देखा ही नहीं था। ऊपर से ताम्रकर के डर के कारण कोई भी उस इलाके की तरफ जाने से बचता था। इसी वजह से इतने बड़े इलाके में अफीम की खेती होती रही और किसी को पता तक नहीं चला।

छत्तीसगढ़ बीजेपी में पदाधिकारियों की नियुक्ति

झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संभाग प्रभारी और कार्यसमिति घोषित

रायपुर,10 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ बीजेपी संगठन में पदाधिकारियों की नई नियुक्तियों की घोषणा कर दी गई है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मारकण्डेय ने झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों, संभाग प्रभारियों और प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी की है। इस घोषणा के साथ ही संगठन में नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जारी सूची के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों में झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों की नियुक्ति की गई है, जबकि संभाग स्तर पर भी प्रभारी तय किए गए हैं। इसके साथ ही प्रदेश प्रकोष्ठ की कार्यसमिति का भी गठन किया गया है। जिसमें कई कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है।

जमीनी स्तर पर मिलेगी मजबूती: पार्टी नेतृत्व का कहना है कि,इन नियुक्तियों से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। झुग्गी-झोपड़ी इलाके में रहने वाले लोगों तक सरकार की योजनाओं और संगठन की गतिविधियों को बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सकेगा। बीजेपी के प्रदेश संगठन के मुताबिक, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य शहरी गरीबों, मजदूर वर्ग और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों के मुद्दों को सामने लाना और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ना है। नए पदाधिकारियों को संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है।

कोयला घोटाले केस में नया खुलासा...ईओडब्ल्यू ने राकेश जैन के खिलाफ 1200 पेज का पूरक चालान पेश किया

रायपुर,10 मार्च 2026। बहुचर्चित कोयला घोटाले मामले में ईओडब्ल्यू ने बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी ने आरोपी राकेश जैन के खिलाफ करीब मंगलवार को 1200 पेज का पूरक चालान पेश किया है। जांच में सामने आया है कि अवैध कोल लेवी से मिली करीब 40 करोड़ रुपए की राशि को शेल कंपनियों और बैंक खातों के जरिए डायवर्ट कर नकद में बदला जाता था। और बाद में इसे नेटवर्क के जरिए घोटाले में शामिल अधिकारियों और नेताओं तक पहुंचाया जाता था। आरोपी राकेश रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद है। पूर्व में आरोपी राकेश जैन के खिलाफ रायपुर पुलिस में तीन आपराधिक मामले दर्ज है जिनमें एक प्रकरण मे चालान पेश किया जा चुका है और दो केस में जांच जारी है।

कई फर्मों के खातों में भेजी गई रकम

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया है कि बड़ी रकम अलग-अलग फर्मों के खातों में ट्रांसफर की गई। इनमें अनवर ढेबर से जुड़ी फर्मों के साथ आर.ए. कॉरपोरेशन, स्टार ट्रेडर्स,महावीर एंटरप्राइजेज,सृष्टि मिनरल्स, मार्श एंटरप्राइजेज, सोमवत्ती सेल्स और आर्या एंटरप्राइजेज शामिल हैं। इन खातों से राशि को चरणबद्ध तरीके से निकालकर अवैध नेटवर्क के माध्यम से सूर्यकांत तिवारी तक पहुंचाया जाता था।

शेल कंपनियों के जरिए ब्लैक मनी को वाइट दिखाने की कोशिश

जांच के दौरान एजेंसी को पता चला कि अवैध कोल लेवी की राशि ज्यादातर नकद में वसूली जाती थी,लेकिन जिन लोगों के पास नकद भुगतान की व्यवस्था नहीं होती थी, उनके लिए सूर्यकांत तिवारी के नेटवर्क ने शेल कंपनियों के जरिए लेन-देन की व्यवस्था कर रखी थी। आरोप है कि राकेश जैन ने कई फर्जी कंपनियों और बैंक खातों का इस्तेमाल कर करीब 40 करोड़ रुपए की रकम को बैंकिंग चैनल के जरिए रूटिंग और लेयरिंग कर नकद में परिवर्तित किया। इस प्रक्रिया में फर्जी बिलिंग, अलग-अलग व्यावसायिक मदों के नाम पर भुगतान और कई खातों में ट्रांसफर कर असली स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई।

पहले भी कई आरोपियों के खिलाफ चालान : इस मामले में ईओडब्ल्यू पहले भी कई आरोपियों के खिलाफ चालान पेश कर चुकी है। जुलाई 2024 में 15 आरोपियों सौम्या चौरसिया, रानू साहू, समीर विश्नोई, शिवशंकर नाग, सदीप कुमार नायक, सूर्यकांत तिवारी, निखिल चंद्राकर, लक्ष्मीकांत तिवारी, हेमंत जायसवाल, चंद्रप्रकाश जायसवाल, शेख मोइनुद्दीन कुरैशी, पारेख कुर्रे, राहुल सिंह, रोशन कुमार सिंह एवं वीरेन्द्र जायसवाल के खिलाफ ईओडब्ल्यू के द्वारा अवैध कोल लेवी प्रकरण में प्रथम पहला चालान पेश किया गया था। अक्टूबर 2024 में 02 आरोपियों मनीष उपाध्याय एवं रजनीकांत तिवारी, अक्टूबर 2025 में 02 आरोपियों-देवेन्द्र डडसेना एवं नवनीत तिवारी तथा दिसम्बर 2025 में 01 आरोपी-जयचंद कोशले के विरूद्ध पूरक चालान प्रस्तुत किया गया था।

छत्तीसगढ़ में 9 बाघ और 38 हाथियों की 3 साल के भीतर मौत

रायपुर,10 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में बीते तीन सालों में 9 बाघ और 38 हाथियों की मृत्यु हुई है। इनके अलावा 562 वन्यजीवों की अस्वाभाविक मृत्यु हुई है। यह जानकारी वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस विधायक शेषराज हरवंश द्वारा बाघ और अन्य जानवरों की मौत की मांगी गई जानकारी पर दी। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के दौरान सातवें दिन की कार्यवाही के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस विधायक शेषराज हरवंश द्वारा मांगी गई जानकारी पर प्रदेश में बाघ, हाथी और अन्य वन्य जीवों की मौत को लेकर पूछे गए सवाल के यह जानकारी दी। मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि बीते तीन सालों में छत्तीसगढ़ में 38 हाथियों की मौत हुई है। वर्ष 2023 में बलरामपुर में एक और धरमजयगढ़ में एक-एक हाथी की मौत हुई। वर्ष 2024 में 18 हाथी की मौत हुई,इनमें से रायगढ़ में चार, कोरबा में एक, बलरामपुर में तीन और उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में एक, सूरजपुर में तीन, धमतरी में एक, बिलासपुर में एक, धरमजयगढ़ में तीन, सरगुजा एलीफेंट रिजर्व में एक हाथी की मौत हुई है। वर्ष 2025 में 16 हाथियों की मौत हुई,इनमें से रायगढ़ वन मंडल में 7, धरमजयगढ़ में 4, कोरबा में 2, बलरामपुर में एक, सूरजपुर में एक,कटघोरा में एक हाथी की मौत हुई है। वहीं वर्ष 2026 में अब तक दो हाथियों की मौत हुई है, इनमें से एक उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में एक और रायगढ़ वन मंडल में एक हाथी की मौत हुई है।

रायपुर में सरकारी अफसर की पत्नी से रेप

स्वर्णभूमि निवासी कारोबारी ने बंधक बनाकर दुष्कर्म किया,पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

रायपुर,10 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सरकारी अफसर की पत्नी से रेप हुआ है। स्वर्णभूमि सोसायटी में रहने वाले कारोबारी गोपाल गोयल ने 8 मार्च को महिला को बंधक बनाया, उससे दुष्कर्म किया। किसी तरह महिला वहां से बचकर निकली और थाने में शिकायत दर्ज कराई। 10 मार्च को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। आरोपी गोपाल गोयल सेकेंड हैंड गाड़ियों का व्यापार करता है। सरकारी अफसर की पत्नी ने थाने में बयान दर्ज कराया जिसके मुताबिक, 8 मार्च को आरोपी ने उसे अपने कब्जे में लेकर बंधक बना लिया था। उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। घटना के बाद किसी तरह वह आरोपी के चंगुल से निकलकर थाने पहुंची।

ग्रामीण विकास में सरपंचों की है महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम साय

रायपुर,10 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय के सभा कक्ष में जशपुर जिले से चार दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर आए सरपंचों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने बड़ी आत्मीयता से सरपंचों से भेंट कर उनके क्षेत्र की स्थिति तथा विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्रामीण विकास में सरपंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं पंच के रूप में जनसेवा का कार्य प्रारंभ किया था। पंच रहने के बाद वे सरपंच बने और आगे चलकर विधायक तथा सांसद के रूप में भी जनता की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यदि किसी सरपंच में अपने गांव और पंचायत के विकास के लिए समर्पण और जज्बा हो, तो वह अपने क्षेत्र में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर अधोसंरचना विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की बड़ी जिम्मेदारी सरपंचों के कंधों पर होती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिल रही है। उन्होंने सरपंचों से आग्रह किया कि वे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीण जनता को उनका पूरा लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि समर्पित नेतृत्व और योजना के सही क्रियान्वयन से कोई भी पंचायत आदर्श पंचायत बन सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने सरपंचों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने पंचायत क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर विभागीय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य अन्य क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों को देखकर सीखना और उन्हें अपने गांवों में लागू करना है। उल्लेखनीय है कि जशपुर जिले से चार दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर आए 35 सरपंचों का दल आज विधानसभा की कार्यवाही देखने विधानसभा पहुंचा था। भ्रमण के दौरान यह दल दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत पतोरा तथा धमतरी जिले के ग्राम पंचायत सांकरा में हुए विकास कार्यों का अवलोकन भी करेगा।

टोनही प्रताड़ना केस में हाईकोर्ट का फैसला...

एफआईआर में देरी से कमजोर हुआ मामला,आरोपी बरी

बिलासपुर,10 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने टोनही प्रताड़ना से जुड़े एक पुराने मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपियों को मिली दोषमुक्ति को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में एफआईआर दर्ज कराने में हुई देरी का स्पष्ट और संतोषजनक कारण होना आवश्यक है। देरी और गवाहों के बयानों में विरोधाभास के चलते मामला संदेहास्पद हो गया, इसलिए सत्र न्यायालय का फैसला सही माना गया। यह आदेश जस्टिस संजय एस. अग्रवाल की एकलपीठ ने पारित किया। कोर्ट ने पीड़िता की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए निचली अदालत के दोषमुक्ति के आदेश को यथावत रखा। मामला बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि 8 अगस्त 2012 को गांव के रामलाल यादव और उसकी पत्नी फूलकुमारी उसके घर पहुंचे और उसे 'टोनही' कहकर अपमानित किया। आरोप था कि दोनों ने महिला के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 294 और 506 (भाग-2) के साथ ही छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005 की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया था।

अदालतों में चला लंबा कानूनी सफर

मामले में पहले राजपुर के प्रथम श्रेणी न्यायालय ने 28 मार्च 2019 को दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। इसके बाद आरोपियों ने इस फैसले को सत्र न्यायालय बलरामपुर में चुनौती दी। सत्र न्यायालय ने 14 सितंबर 2021 को ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए साक्ष्यों के अभाव में दोनों आरोपियों को बरी कर दिया।

हाईकोर्ट को क्यों लगा मामला संदिग्ध

हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड का परीक्षण करते हुए पाया कि घटना 8 अगस्त 2012 की बताई गई, जबकि एफआईआर 26 अगस्त को दर्ज कराई गई। यानी शिकायत दर्ज कराने में 18 दिन की देरी हुई, जिसका कोई संतोषजनक कारण प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके अलावा पीड़िता और उसके पति के बयानों में भी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विरोधाभास पाया गया। दोनों ने एसपी कार्यालय जाने की बात कही, लेकिन इसका कोई दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया।

अफीम किसान ताम्रकार परिवार के खिलाफ कार्रवाई जारी,अब दुकान पर चला बुलडोजर

दुर्ग,10 मार्च 2026। जिले के जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र के ग्राम समोदा में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। अफीम की खेती के मुख्य आरोपी विनायक ताम्रकार के भाई बृजेश ताम्रकार की अवैध दुकान पर बुलडोजर चलाया गया। तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस टीम की मौजूदगी में यह कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस बल तैनात है। इससे पहले अफीम खेती मामले में पुलिस भाजपा नेता विनायक ताम्रकार समेत दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। प्रशासन की इस कार्रवाई को मामले में सरकार की सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि दुर्ग जिले के समोदा और झेनझरी गांव में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत से अफीम के पौधे उखाड़ लिए गए हैं।

पुलिस ने 4 ट्रैक्टर फसल जब्त किया है। अब इसे नष्ट करने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में पर्यावरण विभाग से अनुमति मांगी गई है, परमिशन मिलते ही अफीम को नष्ट कर दिया जाएगा। मामला जेवरा सिरसा पुलिस चौकी क्षेत्र का है। पुलिस ने करीब 5 एकड़ 62 डिसमिल जमीन पर लगी अफीम की फसल को पूरी तरह उखाड़ दिया है, जिनका कुल वजन लगभग 62 हजार किलो है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ 88 लाख रुपए आंकी गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)